दैनिक
सनातन वीर
Reg. No. MPHIN/25A3002
राष्ट्रहित, धर्मरक्षा जनसेवा को समर्पित
नगर संस्करण | इंदौर, शनिवार, 18 जुलाई 2026 | वर्ष : 01, अंक : 222, कीमत : 03 रुपए, पृष्ठ : 8

पटरी पर दौड़ी देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन, प्रधानमंत्री ने दिखाई हरी झंडी

हरियाणा-पंजाब में कट्टर बेईमान पार्टी की सरकार : पीएम मोदी

चंडीगढ़/जालंधर ● एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार (17 जुलाई) को जालंधर रैली में कहा- पंजाब में कट्टर बेईमान पार्टी (AAP) की सरकार है। यहां की सरकार कर्ज पर मौज कर रही है। इस पार्टी ने किसानों और बहन-बेटियों के साथ धोखा किया है। लॉ एंड ऑर्डर के ये हालात हैं कि कब कहां गैंगवार हो जाए, कहां किस दिशा से गोलियां चलने लगें, कोई कह नहीं सकता। व्यापार-कारोबार करना मुश्किल हो चुका है। थानों पर अटैक हो रहे हैं।

इसके जवाब में AAP के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने सोशल मीडिया (X) पर लिखा- श्री राम मंदिर का चंदा चोरी करने वालों के सबसे बड़े नेता आज पंजाब आकर ईमानदारी का भाषण देकर गए हैं।

वहीं पीएम ने कहा कि यहां कांग्रेस का भी अपना रोना धोना चल रहा है। इनका तो कुर्सी का किस्सा खत्म नहीं हो रहा है। अकाली दल का भी यही हाल है। उनकी अपनी उलझनें खत्म नहीं हो रही हैं। पंजाब में BJP ही असली बदलाव लाएगी। हरियाणा में देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन को रवाना करने के बाद PM पहले चंडीगढ़ पहुंचे। जहां उन्होंने 4700 करोड़ के प्रोजेक्टों का उद्घाटन व शिलान्यास किया। उन्होंने कहा कि चंडीगढ़ में नए एमबीबीएस कॉलेज को मंजूरी मिल चुकी है और जल्द ही वहां पढ़ाई शुरू होगी। यहां मंच पर चंडीगढ़ से कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी भी मौजूद रहे। प्रोजेक्टों के नींव पत्थर में विपक्षी सांसदों के साथ CM भगवंत मान का भी नाम रहा। हालांकि मान PM के साथ कहीं स्टेज पर नहीं आए। इसके बाद जालंधर आकर 5470 करोड़ रुपए के प्रोजेक्टों का उद्घाटन किया। यहां वे संतों से भी मिले। उन्होंने सीर गोवर्धनपुर वाराणसी एक्सप्रेस (अमृतसर के छेहर्टा से वाराणसी तक) को हरी झंडी दिखाई। इसी ट्रेन में रविदासिया समाज के सबसे बड़े डेरे सचखंड बल्लां के मुखी संत निरंजन दास और स्कूली बच्चों से मिलकर बातचीत की।

रैली में PM किसान नेताओं की तरह हरी पगड़ी पहन पहुंचे। रैली में AAP छोड़कर BJP में शामिल हुए विक्रमजीत साहनी, हरभजन सिंह व अशोक मित्तल पहली बार BJP की स्टेज पर आए। पूर्व सीएम कैप्टन अमरिंदर सिंह नहीं पहुंचे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हरियाणा के जींद स्टेशन से भारत की पहली हाइड्रोजन ट्रेन को हरी झंडी दिखाई। यह ट्रेन जींद और सोनीपत के बीच 89 किलोमीटर के रूट पर चलेगी। इसमें हाइड्रोजन और ऑक्सीजन की प्रक्रिया से बिजली बनती है, जिससे सिर्फ पानी की भाप निकलती है और कोई धुआं नहीं होता। भारत की पहली हाइड्रोजन ट्रेन पटरी पर चल पड़ी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हरियाणा के जींद रेलवे स्टेशन से पहली हाइड्रोजन ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह ट्रेन जींद और सोनीपत रेलवे स्टेशन के बीच चलेगी। इस ट्रेन में हाइड्रोजन लीक, गर्मी, आग और धुएं का पता लगाने वाले कई सुरक्षा सिस्टम लगाए गए हैं। आम इलेक्ट्रिक ट्रेनों की तरह यह ट्रेन ऊपर लगी बिजली की लाइनों से पावर नहीं लेती। इसमें हाइड्रोजन और ऑक्सीजन की रासायनिक प्रक्रिया से ट्रेन के अंदर ही बिजली बनती है। इस प्रक्रिया में सिर्फ पानी की भाप और गर्मी निकलती है। रेलवे के मुताबिक, यह पुराने जमाने की भाप और डीजल इंजन वाली ट्रेनों जैसा है, फर्क बस इतना है कि अब कोयला या डीजल जलाने की जगह हाइड्रोजन से बिजली बनती है और इसमें कोई धुआं नहीं निकलता। यही वजह है कि इसे रेल यातायात का सबसे स्वच्छ तरीका बताया जा रहा है। यह ट्रेन 75 किलोमीटर प्रति घंटे की स्पीड से चलेगी जबकि इसकी डिजाइन स्पीड 110 किलोमीटर प्रति घंटा है।

सीएम डॉ. यादव बोले-एक शादी करने वाला ही मप्र में रहेगा

राम एक शादी करे तो रहीम चार क्यों, तीन तलाक बोलने वाले सीधे जेल जाएंगे

कटनी ● एजेंसी

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा- मध्यप्रदेश में वही रह पाएगा जो एक ही शादी करेगा। विधानसभा के मानसून सत्र में समान नागरिक संहिता (UCC) लाएंगे। मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को यह ऐलान कटनी में किया। मुख्यमंत्री ने कहा- हिंदुओं और मुसलमानों के लिए अलग-अलग कानून क्यों हों? सबके लिए एक ही कानून होना चाहिए। अगर राम एक शादी करेगा तो रहीम दो या चार शादियां क्यों करेगा? मुस्लिम बहनें भी हमारी बहनें हैं और उनके अधिकारों की रक्षा जरूरी है।

सीएम बोले- तीन तलाक का दौर खत्म हो चुका है। अगर कोई 'तलाक, तलाक, तलाक' कहेगा तो उसे जेल जाना पड़ेगा। उन्होंने बताया कि अगली कैबिनेट बैठक में UCC के मसौदे को मंजूरी दी जाएगी।

अगली कैबिनेट में मंजूरी, फिर विधानसभा में आएगा बिल

मुख्यमंत्री ने बताया कि भोपाल के जगदीशपुर में होने वाली अगली कैबिनेट बैठक में UCC विधेयक के मसौदे को मंजूरी दी जाएगी। इसके बाद सरकार इसे विधानसभा के आगामी मानसून सत्र में पेश करेगी। उन्होंने कहा कि इस कानून का उद्देश्य सभी नागरिकों के लिए समान व्यवस्था लागू करना और भेदभाव खत्म करना है।

संविधान के अनुच्छेद 44 के भाग- 4 में यूनिफॉर्म सिविल कोड की चर्चा है। राज्य के नीति-निदेशक तत्व से संबंधित इस अनुच्छेद में कहा गया है कि 'राज्य, देशभर में नागरिकों के लिए एक यूनिफॉर्म सिविल कोड लागू कराने का प्रयास करेगा।'

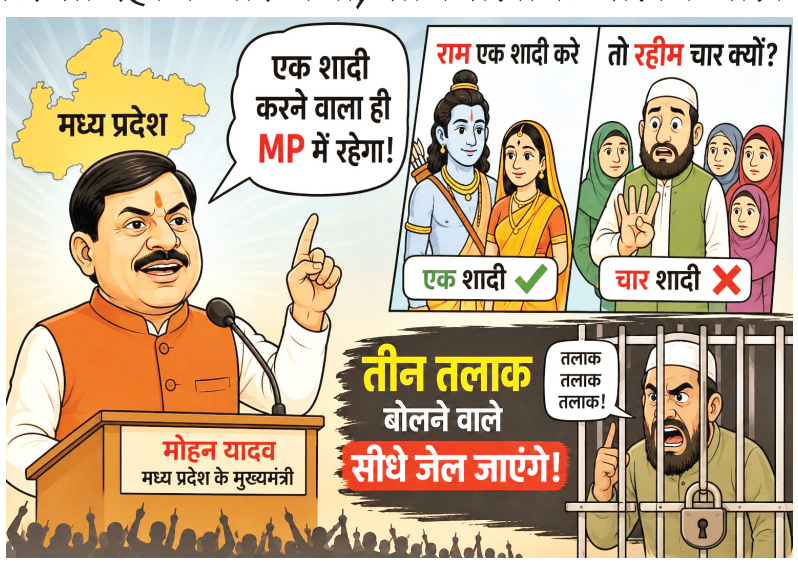

हमारे संविधान में नीति निदेशक तत्व सरकारों के लिए एक गाइड की तरह है। इनमें वे सिद्धांत या उद्देश्य बताए गए हैं, जिन्हें हासिल करने के लिए सरकारों को काम करना होता है।

उत्तराखंड, गुजरात और असम में UCC लागू

अभी देश के तीन राज्य उत्तराखंड, गुजरात और असम में ही UCC लागू है। उत्तराखंड ने सबसे पहले 2024 में इसे लागू किया था। इसी साल पहले गुजरात फिर असम ने इसे लागू किया। पश्चिम बंगाल में शुभेंदु अधिकारी और बिहार में सम्राट चौधरी ने सीएम बनते ही UCC लागू करने की बात कही थी। अब मध्यप्रदेश के सीएम मोहन यादव ने भी इसी मानसून सत्र में इसे लागू करने का ऐलान कर दिया है।

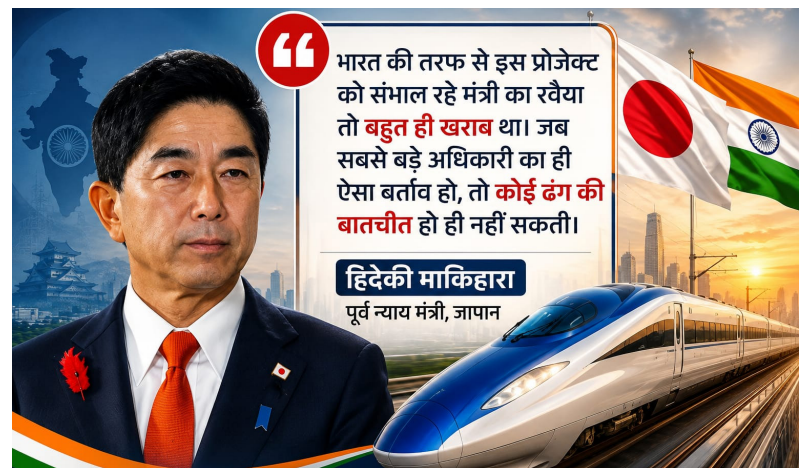

बुलेट ट्रेन में देरी पर जापान नाराज भारत पर वादाखिलाफी का आरोप

टोक्यो ● एजेंसी

भारत के बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट में देरी होने पर जापान के पूर्व न्याय मंत्री हिदेकी माकिहारा ने भारत पर ही गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने सोशल मीडिया X पर लिखा कि देरी की सबसे बड़ी वजह भारतीय मंत्री का रवैया रहा।

माकिहारा ने कहा- मैं खुद प्रोजेक्ट से जुड़ा रहा। जापानी टीम ने पूरी मेहनत की, लेकिन उम्मीद के मुताबिक नतीजे नहीं मिले। भारतीय पक्ष ने वादे पूरे नहीं किए, समझौतों से पीछे हट गए। अपने हिसाब से शर्तें बदलते रहे। इसी वजह से प्रोजेक्ट आगे नहीं बढ़ा।

माकीहारा ने मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट को लेकर यह बात कही। पीएम नरेंद्र मोदी और जापानी के पूर्व PM शिंजो आबे ने 14 सितंबर 2017 में इस प्रोजेक्ट का इनॉगरेशन किया था। भारतीय विदेश मंत्रालय ने माकीहारा के बयान पर कहा- भारत और जापान के बीच बातचीत अच्छी तरह आगे बढ़ रही है।

जापान की पीएम के दौरे का भी असर नहीं- माकिहारा- माकिहारा के मुताबिक, जापान की प्रधानमंत्री के दौरे से भी कोई नतीजा नहीं निकला। प्रधानमंत्री साने ताकाइची 1-3 जुलाई 2026 में भारत दौरे पर आई थी।

माकिहारा ने पोस्ट में टॉयो केइजाई ऑनलाइन की रिपोर्ट भी शेयर की। इसमें दावा किया गया कि बुलेट ट्रेन के सबसे अहम सेफ्टी सिस्टम (सिग्नलिंग सिस्टम) में जापान को शामिल नहीं किया गया। माकीहारा ने कहा कि इस प्रोजेक्ट के आगे न बढ़ पाने की पूरी जिम्मेदारी 100% भारतीय पक्ष की है।

भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा- मुंबई और अहमदाबाद हाई स्पीड रेल परियोजना पर भारत और जापान के बीच बातचीत अच्छी तरह आगे बढ़ रही है। जापान की E-10 ट्रेन सीरीज अभी डेवलप की जा रही है और इसकी आपूर्ति 2030 के शुरुआती वर्षों में होगी।

पत्नी ने की हत्या: दामिनी ने प्रेमी के साथ मिलकर पति को खिलाईं नींद की गोलियां, सपेरे बुलाकर सांप से डसवा दिया

मेरठ ● एजेंसी

हस्तिनापुर कस्बे की जे. ब्लॉक कॉलोनी में शुक्रवार सुबह पत्नी दामिनी भड़ाना ने अपने प्रेमी बस चालक कोल्हा मवाना निवासी तुषार के साथ मिलकर पति निजी स्कूल संचालक अतुल कुमार पंवार (32) की सांप से डसवाकर हत्या कर दी। तुषार ने अपने सपेरे दोस्त को बुलाकर घटना को अंजाम दिया। पत्नी, उसके प्रेमी और दोनों सपेरों उदय व सोनू को हस्तिनापुर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। दोनों सपेरे हस्तिनापुर के रहने वाले हैं। फोरेंसिक टीम ने मौके पर पहुंचकर पड़ताल की। पुलिस पूरे मामले की जांच पड़ताल कर आरोपियों से पूछताछ कर रही है।

मृतक अतुल कुमार मूल रूप से बहसूमा थाना क्षेत्र के गांव भंडोरा के रहने वाले थे। वह अपनी पत्नी दामिनी और छह वर्षीय पुत्र मानिक के साथ

जे ब्लॉक कॉलोनी में किराये के मकान में रहते थे और कस्बे में एक निजी स्कूल का संचालन करते थे। शुक्रवार सुबह शव मिलने के बाद आसपास अफरातफरी मच गई। पत्नी ने सांप बताकर घटना होने की बात पुलिस को बताई।

घटनास्थल पर मृतक के बिस्तर पर एक सांप मिला, जिसे बाद में मौजूद लोगों ने मार दिया। अतुल के हाथ और पैर पर सांप के दांत जैसे दो निशान स्पष्ट रूप से दिखाई दिए। एसपी देहात अभिजीत कुमार ने पूरी घटना की जानकारी की। अतुल के पिता अजब सिंह ने आरोप लगाया कि उनकी बहू दामिनी ने ही बेटे की हत्या की है। एसएसपी अविनाश पांडेय ने बताया कि मामले की जांच की गई। उसके बाद पता चला कि अतुल के स्कूल में तुषार बस चालक है। उसका अतुल की पत्नी से प्रेम प्रसंग काफी समय से चला आ रहा है। दोनों ने अतुल को रास्ते से हटाने के लिए प्लान बनाया। सबसे पहले बाजार से नींद की गोलियां खरीदीं। खाने में नींद की गोलियां अतुल को दीं।

इसके बाद तुषार ने अपने सपेरे दोस्तों उदाय व सोनू को बुलाया। रात को जब अतुल सो गए तब सांप से अतुल के हाथ और पैर पर कटवा दिया। बिस्तर पर सांप छोड़ने के बाद तुषार और सपेरे वहां से चले गए। पत्नी ने हत्या होने का नाटक किया। दामिनी और तुषार को गिरफ्तार कर लिया गया है। देर रात सपेरों को भी पकड़ लिया गया।

सिंधिया रियासत की 400 साल पुरानी तोप चोरी

शिवपुरी। मध्य प्रदेश के शिवपुरी के नरवर किले से सिंधिया रियासत की 400 साल पुरानी तोप चोरी हो गई। बदमाश किले की ओपन कचहरी से 16वीं शताब्दी की करीब 3500 किलो वजनी ऐतिहासिक तोप चुराकर ले गए। इंटरनेशनल एंटीक ब्लैक मार्केट में इसकी कीमत 3-5 करोड़ रुपए हो सकती है। चोरों ने वारदात को पूरी प्लानिंग के तहत अंजाम दिया है। तोप को पहले गद्दों में लपेटा, फिर बैरिंग लगी लोहे की ट्रॉली की मदद से करीब 3 हजार फीट नीचे उतारा। इसके बाद लोडिंग गाड़ी में लादकर फरार हो गए। वारदात 15 जुलाई की रात की है। नरवर किले में सुरक्षाकर्मी ड्यूटी पर तैनात नहीं थे। चोरों ने इसी का फायदा उठाया। शक है कि वारदात को इंटरनेशनल एंटीक ब्लैक मार्केट से जुड़े लोगों न अंजाम दिया है। किले के बाहर हैवी गाड़ियों के टायर के निशान मिले हैं।

भोजशाला से 2 किमी दूर चालीस-पीर परिसर में नमाज की अनुमति

फैसले से मुस्लिम पक्ष नाराज; सदर ने कहा- फैसले को सुप्रीम कोर्ट में देंगे चुनौती

धार ● एजेंसी

मध्यप्रदेश के धार में भोजशाला विवाद में सुप्रीम कोर्ट के अंतरिम आदेश के बाद जिला प्रशासन ने जुमे की नमाज के लिए भोजशाला से करीब 2 किलोमीटर दूर मालीवाड़ा स्थित चालीस पीर परिसर तय कर दिया है। यहां हर शुक्रवार दोपहर 1 से 3 बजे तक नमाज की अनुमति रहेगी।

हालांकि, मुस्लिम समाज ने इस व्यवस्था को सुप्रीम कोर्ट के आदेश की भावना के विपरीत बताते हुए इसे स्वीकार करने से इनकार कर दिया है। मुस्लिम समाज के सदर अब्दुल समद ने कहा कि जिस स्थल को लेकर विवाद चल रहा है, उससे 2 किलोमीटर दूर नमाज की व्यवस्था

करना न्यायसंगत नहीं है। उन्होंने कहा कि समाज चालीस पीर परिसर में नमाज नहीं पढ़ेगा और प्रशासन के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देगा।

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम-2026 के प्रभावी क्रियान्वयन पर जनप्रतिनिधियों की कार्यशाला आयोजित

पारदर्शिता और समयसीमा में कार्य करें : संभागायुक्त

इंदौर ● संवाददाता

संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर स्वच्छ भारत मिशन को लेकर इंदौर संभाग में लगातार नवाचार हो रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में स्वच्छता संबंधी जनजागरूकता के कार्यक्रम किये जा रहे हैं। नागरिकों में साफ-सफाई के प्रति चेतना जागी है। अब संभाग में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन पर भी तेजी से काम हो रहा है।

संभागायुक्त डॉ. खाड़े आज एक निजी होटल में आयोजित ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 के संबंध में सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशन में परिपालन इंदौर संभाग के नगरीय निकायों के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं अन्य जनप्रतिनिधियों की कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। कार्यशाला में महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव, बुरहानपुर महापौर श्रीमती मालती पटेल, नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के संयुक्त संचालक श्री सूर्यकुमार सिन्हा, राजस्थान के ब्राण्ड एम्बेसेडर के.के. गुप्ता, देपालपुर नगर परिषद के अध्यक्ष प्रतिनिधि श्री महेश गिरी एवं इंदौर संभाग के सभी नगर परिषद, नगर पालिका के जनप्रतिनिधि एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

कार्यशाला में संभागायुक्त डॉ. खाड़े ने कहा कि किसी भी शहर की सफाई व्यवस्था में स्वच्छता कर्मियों का परिश्रम और नागरिकों की सहभागिता जरूरी है। साथ ही अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों की पारदर्शिता, गुणवत्तापूर्ण कार्य और समयबद्ध नियोजन भी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि संभाग के सभी कलेक्टर्स को चाहिये कि वे अपने क्षेत्र में सफाई अभियान लगातार जारी रखें। साथ ही ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 में वर्णित प्रावधानों का भी पालन करायें।

इंदौर के नागरिक सफाई के प्रति बेहद जागरूक

उन्होंने महापौर श्री भार्गव से आग्रह किया कि वे इंदौर को सफाई व्यवस्था का एक ऐसा आदर्श मॉडल सेंटर बनायें, ताकि प्रदेश में कहीं भी सफाई संबंधी समस्या हो तो समाधान मिल सके। इंदौर वैसे भी देश भर में स्वच्छता के लिहाज से नंबर वन है। इंदौर के नागरिक सफाई के प्रति बेहद जागरूक है। इससे सीख अब आसपास के जिले भी ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि इंदौर नगर निगम द्वारा देपालपुर को गोद लिये जाने के बाद अब वहां भी सफाई दिखने लगी है।

अधिकांश दुकानों पर डिस्पोजल गिलास बंद हो गये

कार्यशाला में महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने कहा कि सफाई के मामले में इंदौर अब गुरु ही नहीं महागुरु बन गया है। उन्होंने आगे कहा कि इंदौर में सफाई के बाद अब देपालपुर में भी प्लास्टिक थैलियां दिखायी नहीं देती हैं। अधिकांश दुकानों पर डिस्पोजल गिलास बंद हो गये हैं।

नगर परिषद देपालपुर में स्वच्छता जागरूकता आयी है

देपालपुर नगर परिषद को भी चाहिये कि वह अपने आसपास के गाँवों को भी सफाई अभियान से जोड़ें ताकि सभी जगह स्वच्छता दिखे। उन्होंने कहा कि स्वच्छता के क्षेत्र में और भी नवाचार किये जाने की संभावनाएं हैं। सभी अधिकारियों को इसके लिए योजनाबद्ध तरीके से लगातार काम करना होगा। सफाई के साथ-साथ राजस्व एकत्रीकरण का भी ध्यान रखें। कार्यशाला में राजस्थान के ब्राण्ड एम्बेसेडर के.के. गुप्ता ने भी अपने अनुभव साझा किये। देपालपुर अध्यक्ष प्रतिनिधि महेश गिरी ने कहा कि इंदौर नगर निगम से प्रेरणा लेकर नगर परिषद देपालपुर में स्वच्छता जागरूकता आयी है। डोर टू डोर कचरा उठाया जा रहा है। जहां पर कचरे का बड़ा ढेर था, अब वहां पर एक गार्डन बना दिया गया है। कार्यशाला में प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट से संबंधित प्रदर्शनी भी आयोजित की गई। साथ ही पुराने कपड़ों से तैयार किये गये थैलों को भी प्रदर्शित किया गया। कार्यशाला में सहभागिता करने वाले सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किये गये।

शॉट न्यूज

जिला बदर बदमाश मानपुर में गिरफ्तार

महू। मानपुर पुलिस ने जिला बदर के आदेश का उल्लंघन करने वाले एक आदतन अपराधी को गिरफ्तार किया है। आरोपी प्रतिबंधित क्षेत्र में घूमता मिला, जिसके बाद पुलिस ने मध्यप्रदेश राज्य सुरक्षा अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर कार्रवाई की। शुक्रवार सुबह पुलिस ने आरोपी का जुलूस भी निकाला। पुलिस के अनुसार, अनावेद उर्फ अभिषेक (23), निवासी वार्ड क्रमांक-6, मानपुर को इंदौर जिला दंडाधिकारी ने 22 अप्रैल 2026 को छह माह के लिए इंदौर सहित उज्जैन, देवास, धार, खरगोन और खंडवा जिलों की सीमाओं से बाहर रहने का आदेश दिया था। 27 अप्रैल को आदेश की तामील कराकर उसे जिला सीमा से बाहर भेजा गया था।

सांसद लालवानी राष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा बोर्ड के सदस्य मनोनीत

इन्दौर। सांसद शंकर लालवानी को राष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा बोर्ड का सदस्य मनोनीत किया गया है। सामाजिक सुरक्षा संहिता-2020 के अंतर्गत गठित यह केंद्र सरकार का एक महत्वपूर्ण वैधानिक बोर्ड है, जिसकी अध्यक्षता केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री तथा उपाध्यक्ष भारत सरकार के श्रम एवं रोजगार सचिव करते हैं। राष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा बोर्ड देश के करोड़ों असंगठित श्रमिकों, गिग एवं प्लेटफॉर्म कर्मियों तथा स्वरोजगार से जुड़े नागरिकों की सामाजिक सुरक्षा, पेंशन, श्रमिक कल्याण एवं अन्य नीतिगत विषयों पर केंद्र सरकार को महत्वपूर्ण सुझाव प्रदान करता है। बड़ा हिस्सा असंगठित क्षेत्र से जुड़ा होने के कारण यह बोर्ड नीति निर्माण में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

सामान्य भविष्य निधि का वार्षिक लेखा विवरण ऑनलाइन उपलब्ध

इन्दौर। राज्य के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के सामान्य भविष्य निधि (GPF) खातों का वित्तीय वर्ष 2025-26 का वार्षिक लेखा विवरण अपनी वेबसाइट पर ऑनलाइन उपलब्ध करा दिया है। इससे अभिदाता अब घर बैठे अपने GPF खाते का वार्षिक विवरण देख एवं डाउनलोड कर सकेंगे। कार्यालय महालेखाकार के अनुसार अभिदाता www.agmp.nic.in पर जाकर अपनी संबंधित सीरीज, सामान्य भविष्य निधि (GPF) लेखा क्रमांक तथा पासवर्ड दर्ज कर वार्षिक लेखा विवरण प्राप्त कर सकते हैं। यदि वार्षिक लेखा विवरण में किसी प्रकार की विसंगति अथवा त्रुटि पाई जाती है, तो उसके ऑनलाइन सुधार के लिए वेबसाइट पर उपलब्ध Accountant General के अंतर्गत Online Service में जाकर Register Grievances विकल्प के माध्यम से शिकायत दर्ज की जा सकती है।

मनीष पमनानी का नाम आया सामने, तलाश में जुटी पुलिस

नाना पटवारी से भी पूछताछ

इंदौर ● संवाददाता

इंदौर की राजेंद्र नगर पुलिस ऑनलाइन सट्टा नेटवर्क में लगातार कार्रवाई कर रही है। इसी सिलसिले में पुलिस ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के भाई नाना पटवारी और उसके साथी सुमित मंत्री को पूछताछ के लिए बुलाया। वहीं, उसके पूर्व साथी संजय कौशल को आरोपी बनाते हुए उसके खिलाफ जुआ और सट्टा एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है।

पूछताछ के दौरान संजय कौशल ने पुलिस को बताया कि महू नाका स्थित सच्चिदानंद नगर निवासी मनीष पमनानी उसे AllPanX और Gradtex.com की ऑनलाइन बेटिंग लिंक उपलब्ध कराता था। इस खुलासे के बाद पुलिस मनीष पमनानी और उसके एक अन्य साथी की तलाश में जुट गई है।

डीसीपी ने बनाई जांच टीम

डीसीपी नरेंद्र रावत ने पूरे मामले की जांच के लिए विशेष टीम गठित की है। गुरुवार को गिरफ्तार किए गए आरोपी संजय कौशल, मनीष जादौन, दिनेश उर्फ लल्ला चौहान और प्रीतेश त्रिपाठी को कोर्ट में पेश किया गया, जहां पुलिस ने उनसे पूछताछ के लिए रिमांड मांगा।

बड़े सटोरियों के नाम आने की आशंका

पुलिस को संदेह है कि मनीष पमनानी की गिरफ्तारी के बाद ऑनलाइन सट्टा नेटवर्क से जुड़े कई अन्य नाम सामने आ सकते हैं। संजय कौशल ने पूछताछ में यह भी बताया कि जूनी इंदौर और भंवरकुआ क्षेत्र के कुछ बड़े सटोरिए भी क्रिकेट सट्टे की आईडी के जरिए उनके संपर्क में थे। हालांकि पुलिस अधिकारियों ने इस संबंध में अभी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

लेनदेन की डायरी तलाश रही पुलिस

पूछताछ में संजय ने एक डायरी का भी जिक्र किया, जिसमें ऑनलाइन सट्टे के पूरे लेनदेन का रिकॉर्ड दर्ज होने की बात कही गई है। पुलिस अब उस डायरी की तलाश कर रही है। फिलहाल अधिकारियों ने डायरी में दर्ज नामों का खुलासा नहीं किया है। जांच में यह जानकारी भी सामने आई है कि नाना पटवारी ऑनलाइन सट्टा एप के जरिए सट्टा खेलता था। हालांकि अब तक उसे इस संगठित सट्टा नेटवर्क में शामिल होने के पर्याप्त साक्ष्य नहीं मिले हैं। पुलिस का कहना है कि उसके खिलाफ भी सबूत जुटाए जा रहे हैं और जांच जारी है।

नाबालिग से अश्लील हरकत, युवती का पीछा कर तुड़वाया रिश्ता

इंदौर। चंदन नगर और अन्नपूर्णा थाना क्षेत्र में महिलाओं से छेड़छाड़ और प्रताड़ना के दो अलग-अलग मामले सामने आए हैं। दोनों मामलों में पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। चंदन नगर थाना पुलिस ने 15 वर्षीय किशोरी की शिकायत पर नंदन नगर निवासी समीर कांणा के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पीड़िता गुरुवार को अपनी मां के साथ थाने पहुंची और शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के अनुसार आरोपी नशे की हालत में अक्सर नाबालिग को अश्लील इशारे करता था। विरोध करने पर वह धमकियां देने लगा। आरोपी पीड़िता के घर के बाहर पहुंचा और हंगामा करने लगा। जब नाबालिग की मां ने उसे रोकने का प्रयास किया तो उसने उनके साथ भी अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया।

सड़क पर सो रहे डॉग को कार ने कुचला, केस दर्ज

इंदौर। जूनी इंदौर थाना क्षेत्र में सड़क पर सो रहे एक डॉग को कार से कुचलने का मामला सामने आया है। घटना का सीसीटीवी वीडियो सामने आने के बाद पीपुल्स फॉर एनिमल (PFA) की इंदौर इकाई की शिकायत पर गुरुवार को पुलिस ने कार ड्राइवर के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक, वैभव नगर कनाड़िया निवासी प्रियांशु जैन की शिकायत पर कार क्रमांक MP-09-WD-4370 के चालक के खिलाफ लापरवाही से वाहन चलाने का मामला दर्ज किया गया है। शिकायत में बताया गया कि 14 जुलाई को त्रिवेणी कॉलोनी में सड़क पर सो रहे डॉग को कार चालक ने कुचल दिया। हादसे के बाद पीएफए के वालंटियर घायल डॉग को इलाज के लिए अस्पताल लेकर पहुंचे।

पत्नी और तीन साल का बेटा घायल

रॉन्ग साइड डंपर ने बाइक को मारी टक्कर, युवक की मौत

पीथमपुर ● संवाददाता

पीथमपुर औद्योगिक नगर के सागौर थाना क्षेत्र में मुंबई-आगरा राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक डंपर ने रॉन्ग साइड में आकर बाइक सवार को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार युवक की मौत हो गई, जबकि उनकी पत्नी और तीन वर्षीय बेटा गंभीर रूप से घायल हो गए।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, यह दुर्घटना राष्ट्रीय राजमार्ग पर खंडवा चौराहे के पास हुई। मनावर निवासी मुजाल्दे परिवार शुक्रवार को मोटरसाइकिल से इंदौर की ओर जा रहा था। बाइक देवसिंह मुजाल्दे चला रहे थे, उनके साथ पत्नी सीमा और तीन वर्षीय बेटा वीर भी थे। खंडवा चौराहे के समीप पहुंचते ही सामने से गलत दिशा में आ रहे डंपर ने बाइक को टक्कर मार दी। देवसिंह की मौके पर ही मृत्यु हो गई। हादसे के बाद आसपास के खेतों में काम कर रहे स्थानीय लोग पहुंचे। उन्होंने घायलों को सड़क किनारे कर पुलिस व एम्बुलेंस को सूचना दी। सूचना पर आपातकालीन सेवा 112 और 1033 की टीमें घटनास्थल पर पहुंचीं। घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया, जबकि मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। घटना के बाद स्थानीय ग्रामीणों और युवाओं में प्रशासन के खिलाफ रोष है। ग्रामीणों का आरोप है कि रोड के निर्माण कार्य में लगे डंपर चालक और मालिक नियमों का उल्लंघन करते हुए अक्सर गलत दिशा में डंपर चलाते हैं, जिससे आए दिन हादसे होते रहते हैं। ग्रामीणों ने कहा कि स्थानीय पुलिस इस समस्या पर ध्यान नहीं दे रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि पुलिस ने इन डंपरों के खिलाफ समय रहते सख्त कानूनी कार्रवाई नहीं की, तो क्षेत्र की जनता सड़कों पर उतरकर आंदोलन करेगी।

डंपर की तलाश में जुटी पुलिस

सागौर थाना प्रभारी प्रकाश सरोदे टीम के साथ पहुंचे। पुलिस ने दुर्घटनास्थल से क्षतिग्रस्त वाहनों को हटाकर हाईवे पर यातायात को सुचारु करवाया। थाना प्रभारी ने बताया कि प्रत्यक्षदर्शियों द्वारा बताए गए हुलिए और डंपर के नंबर के आधार पर आरोपी वाहन की पहचान की जा रही है। जल्द ही आरोपी चालक को गिरफ्तार कर उचित कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म, दो केस दर्ज

इंदौर ● संवाददाता

गांधीनगर और लसूड़िया थाना क्षेत्र में शादी का झांसा देकर दुष्कर्म के दो मामले सामने आए हैं। दोनों मामलों में महिलाओं की शिकायत पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ दुष्कर्म का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

डेढ़ साल तक संबंध, फिर शादी से किया इनकार

गांधीनगर थाना पुलिस के मुताबिक 42 वर्षीय महिला की शिकायत पर गुरदाखेड़ी, हातोद निवासी शाहरुख पुत्र अजमेरी खान के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। महिला ने बताया कि फरवरी 2025 में गांधीनगर से राऊ जाते समय उसकी आरोपी से पहचान हुई थी। इसके बाद दोनों के बीच संबंध बने। महिला का आरोप है कि शाहरुख शादी का वादा कर उसके घर आता रहा। करीब एक साल बाद जब उसने शादी की बात की तो आरोपी ने इनकार कर दिया, गाली-गलौज और मारपीट की। बाद में उसका नंबर भी ब्लॉक कर दिया। इसके बाद महिला ने अपने पति और बेटी को पूरी बात बताई और थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई।

लिव-इन में रहने के बाद शादी से मुकरा

लसूड़िया थाना क्षेत्र में 26 वर्षीय युवती ने भिंड निवासी प्रशांत दुबे के खिलाफ दुष्कर्म का मामला दर्ज कराया है। युवती ने बताया कि सितंबर 2025 में पढ़ाई के दौरान दोनों की दोस्ती हुई थी। शादी का भरोसा देकर आरोपी उसके साथ लिव-इन में रहने लगा और इस दौरान दोनों के बीच शारीरिक संबंध बने। युवती का आरोप है कि आरोपी ने उससे रुपए भी उधार लिए। मार्च 2026 में वह भिंड जाने की बात कहकर चला गया और बाद में शादी से इनकार कर दिया। जुलाई में दोबारा मिलने के बाद भी उसने शादी का भरोसा देकर संबंध बनाए, लेकिन बाद में फिर शादी से मना कर दिया। इसके बाद युवती ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने दोनों मामलों में एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आरोपों की जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

अज्ञात वाहन ने बाइक को टक्कर मारी, मौत

इंदौर ● संवाददाता

इंदौर के लसूड़िया थाना क्षेत्र में गुरुवार रात बाइक सवार दो सगे भाइयों को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे में 18 वर्षीय युवक की मौत हो गई, जबकि उसका बड़ा भाई घायल हो गया। पुलिस ने मर्ग कायम कर अज्ञात वाहन चालक की तलाश शुरू कर दी है।

लसूड़िया पुलिस के अनुसार दुर्घटना ओमैक्स सिटी के पास हुई। बाइक पर सवार रोहित (18) पुत्र बछिया निवासी निपानिया और उसके बड़े भाई राकेश को तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे के बाद आसपास मौजूद लोगों ने दोनों को तत्काल महाराणा प्रताप अस्पताल पहुंचाया, जहां उपचार के दौरान रोहित ने दम तोड़ दिया। राकेश का इलाज जारी है।

हाट बाजार में खरीदारी करने जा रहे थे

परिजनों ने बताया कि दोनों सगे भाई ओमैक्स के पास लगने वाले हाट बाजार में खरीदारी करने जा रहे थे। इसी दौरान वे हादसे का शिकार हो गए। बताया गया है कि दोनों मूल रूप से धार जिले के निवासी थे और पिछले दो माह से भवंस स्कूल के पीछे स्थित एक टाउनशिप में बेलदारी का काम कर रहे थे। हादसे के समय उनके माता-पिता किसी काम से गुजरात गए हुए थे। घटना की सूचना मिलने के बाद वे इंदौर के लिए रवाना हो गए हैं। राकेश विवाहित है और उसके परिवार में पत्नी तथा दो बच्चे हैं। पुलिस के अनुसार मामले में मर्ग कायम कर लिया गया है।

इंदौर और मंदसौर में एक साथ छापे, अहम दस्तावेज और डिजिटल साक्ष्य जब्त

70 करोड़ की ड्रग्स तस्करी में ED की

इंदौर ● संवाददाता

प्रवर्तन निदेशालय (ED) के इंदौर सब-जोनल कार्यालय ने इंदौर और मंदसौर सहित विभिन्न स्थानों पर एक साथ तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान ईडी ने अहम दस्तावेज और डिजिटल साक्ष्य जब्त किए हैं।

ईडी ने शुक्रवार को बताया कि यह कार्रवाई 70 करोड़ की करीब 70 किलोग्राम एमडीएमए (मेफेड्रोन) ड्रग्स की तस्करी से जुड़े मामले में की गई है। ईडी ने यह जांच इंदौर क्राइम ब्रांच द्वारा दर्ज एफआईआर के आधार पर शुरू की थी। मामला नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस (NDPS) अधिनियम, 1985 की धारा 8 और 22 के तहत दर्ज किया गया था। जांच के दौरान पता चला कि मामले का एक प्रमुख आरोपी अपने ज्ञात ठिकानों से फरार था। ईडी ने खुफिया सूचनाओं और आधुनिक जांच तकनीकों की मदद से कई दिनों तक हैदराबाद, बीकानेर और इंदौर में उसकी गतिविधियों पर नजर रखी। लगातार निगरानी और सूचना संकलन के बाद आरोपी को इंदौर के एक अज्ञात ठिकाने पर तलाश लिया गया, जिसके बाद तलाशी कार्रवाई को अंजाम दिया गया।

वित्तीय नेटवर्क और अन्य सहयोगियों की तलाश

तलाशी में मिले साक्ष्यों से ड्रग्स तस्करी से जुड़े वित्तीय नेटवर्क, संपत्तियों और अन्य संबंधित व्यक्तियों के बारे में महत्वपूर्ण सुराग मिलने की संभावना है। एजेंसी मामले से जुड़े सभी लोगों की भूमिका और अपराध से अर्जित धन से संबंधित वित्तीय लेन-देन की जांच कर रही है।

दस्तावेज, डिजिटल डिवाइस और वित्तीय रिकॉर्ड जब्त

तलाशी के दौरान ईडी को कई महत्वपूर्ण दस्तावेज, डिजिटल साक्ष्य तथा आरोपियों की संपत्तियों और वित्तीय लेन-देन से जुड़ी जानकारी मिली है। कई दस्तावेजों और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को जब्त कर फॉरेंसिक जांच के लिए भेजा गया है। ईडी अब इन साक्ष्यों के आधार पर अपराध से अर्जित आय का पता लगाने, मनी ट्रेल की जांच करने और कथित मनी लॉन्ड्रिंग के दायरे का आकलन करने में जुटी है।

रिश्तेदार के नाम बैंक लॉकर भी मिला

कार्रवाई के दौरान एक आरोपी के रिश्तेदार के नाम पर बैंक लॉकर होने की जानकारी भी सामने आई। इस लॉकर की अलग से तलाशी और जब्ती की प्रक्रिया की जा रही है।

अमृत भारत योजना में तैयार आधुनिक स्टेशन, रोज हजारों यात्रियों को मिलेंगी विश्वस्तरीय सुविधाएं

29 करोड़ से बदला विदिशा स्टेशन का स्वरूप

संवाददाता ● विदिशा

केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी 'अमृत भारत स्टेशन योजना' के तहत विदिशा रेलवे स्टेशन का कायाकल्प पूरा हो गया है। करीब दो साल तक चले निर्माण कार्य के बाद स्टेशन को लगभग 29 करोड़ 46 लाख रुपए की लागत से आधुनिक स्वरूप दिया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को देशभर के 74 अमृत भारत रेलवे स्टेशनों के साथ विदिशा रेलवे स्टेशन का भी वर्चुअल लोकार्पण किया।

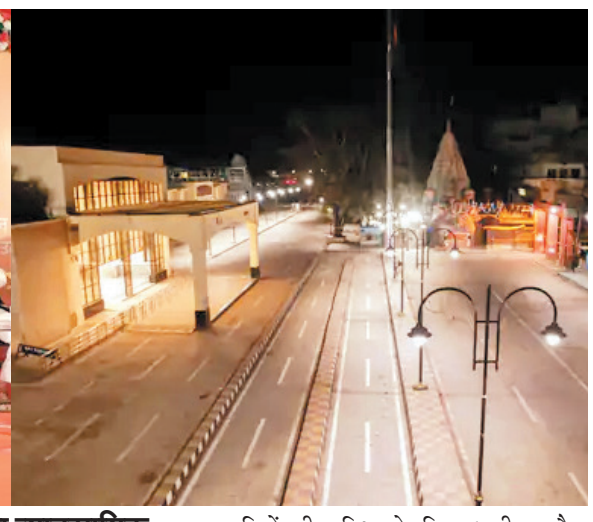

इस कार्यक्रम में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री और विदिशा सांसद शिवराज सिंह चौहान भी वर्चुअली शामिल हुए। विदिशा रेलवे स्टेशन पर आयोजित समारोह में विधायक मुकेश टंडन, राज्यसभा सांसद रजनीश अग्रवाल, जिला पंचायत अध्यक्ष गीता रघुवंशी, नगर पालिका अध्यक्ष प्रीति शर्मा, वन विकास निगम उपाध्यक्ष राममोहन सिंह बघेल, कलेक्टर अंशुल गुप्ता, पुलिस अधीक्षक रोहित काशवानी, रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी तथा बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि व नागरिक मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री और केंद्रीय कृषि मंत्री के संबोधन का सीधा प्रसारण किया गया। स्कूली विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं और विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता बच्चों को सम्मानित किया गया।

एफओबी का व्यावसायिक उपयोग भी होगा

स्टेशन पर 12 मीटर चौड़ा और 150 मीटर लंबा एक फुट ओवर ब्रिज (एफओबी) बनाया गया है, जिसे भोपाल के रानी कमलापति रेलवे स्टेशन की तर्ज पर विकसित किया गया है। यात्रियों की सुविधा के लिए 6 मीटर चौड़ा एक अतिरिक्त फुट ओवर ब्रिज भी तैयार किया गया है। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, भविष्य में मुख्य एफओबी का व्यावसायिक उपयोग भी किया जाएगा। परियोजना के तहत स्टेशन भवन का आधुनिकीकरण किया गया है, जिसमें एक नया प्रवेश द्वार और दूसरी ओर 300 वर्गमीटर का नया स्टेशन भवन शामिल है। इसके अतिरिक्त, 4,855 वर्गमीटर का पार्किंग क्षेत्र, विस्तारित प्लेटफॉर्म शेल्टर, बेहतर प्रकाश व्यवस्था, डिजिटल सूचना प्रणाली और आकर्षक प्रतीक्षालय बनाए गए हैं। प्लेटफॉर्म नंबर-1 पर 160 मीटर और प्लेटफॉर्म नंबर-2 पर 224 मीटर तक नए कवर्ड शेल्टर तैयार किए गए हैं।

अगले 40 साल की जरुरतों के हिसाब से तैयार

दिव्यांग यात्रियों के लिए रैंप, टैक्टाइल पाथवे और स्टेप-फ्री एंट्री जैसी सुविधाएं भी विकसित की गई हैं। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, विदिशा रेलवे स्टेशन का पूरा इंफ्रास्ट्रक्चर अगले 40 से 50 वर्षों की जरूरतों और बढ़ती यात्री संख्या को ध्यान में रखकर विकसित किया गया है। यह स्टेशन प्रतिदिन 13 हजार से अधिक यात्रियों को विश्वस्तरीय और बाधारहित सुविधाएं उपलब्ध कराने में सक्षम होगा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक मुकेश टंडन ने विदिशा और गुलाबगंज रेलवे स्टेशनों पर कई महत्वपूर्ण ट्रेनों के ठहराव की मांग रखी। उन्होंने कहा कि स्टेशन का विकास क्षेत्र के लिए बड़ी उपलब्धि है, लेकिन यात्रियों की सुविधा के लिए अधिक ट्रेनों का स्टॉपेज भी आवश्यक है। नई सुविधाओं से विदिशा रेलवे स्टेशन अब न केवल आधुनिक पहचान बनाएगा, बल्कि जिले के विकास और यात्री सुविधाओं के नए केंद्र के रूप में भी उभरेगा।

सासंद बोले- 23 गुना बढ़ा रेलवे का बजट

राज्यसभा सांसद रजनीश अग्रवाल ने बताया कि विकसित भारत के संकल्प का सिद्ध करने का काम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी देशभर में कर रहे हैं। रेलवे का आधुनिकीकरण और विस्तार तेजी से मध्य प्रदेश में हो रहा है। कांग्रेस की यूपीए सरकार से तुलना करें तो लगभग 23 गुना बजट हर साल केंद्र की मोदी सरकार मध्य प्रदेश में खर्च कर रही है। विदिशा हमारे केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान का सेवा स्थल है। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव भी कदमताल करते हुए प्रदेश सरकार के माध्यम से सहयोग करते हुए रेलवे की सुविधाओं का विस्तार मध्य प्रदेश में कर रहे हैं।

संक्षेप

मुक्तिधाम की जमीन से हटाया अतिक्रमण

सिंगरौली। सिंगरौली नगर निगम ने शुक्रवार को वार्ड क्रमांक-43 स्थित हिरवाह मुक्तिधाम और विसर्जन स्थल के पास सार्वजनिक भूमि पर किए गए कथित अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई की। निगम ने बुलडोजर की मदद से निर्माणाधीन मकान को ध्वस्त कर दिया। प्रशासन का कहना है कि सार्वजनिक उपयोग की भूमि पर किसी भी प्रकार का अवैध कब्जा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के दौरान तहसीलदार सविता यादव, राजस्व विभाग का अमला, कोतवाली वैढ़न पुलिस, नगर निगम के अतिक्रमण प्रभारी प्रवीण गोस्वामी और निगम के सफाई कर्मचारी मौजूद रहे। मौके पर बड़ी संख्या में स्थानीय लोग भी पहुंचे।

अभाविप ने कॉलेज गेट बंद कर प्राचार्य को घेरा

नर्मदापुरम। नर्मदापुरम के माखनलाल चतुर्वेदी स्मृति सरकारी कॉलेज में शुक्रवार को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने जमकर प्रदर्शन किया। कॉलेज की अव्यवस्थाओं को लेकर कार्यकर्ताओं ने चैनल गेट बंद कर दिया और प्राचार्य कार्यालय का घेराव कर दिया। अभाविप के विभाग संयोजक मृदुल नाथ चौहान के नेतृत्व में करीब एक घंटे तक प्रदर्शन हुआ। सूचना मिलने पर नायब तहसीलदार भी मौके पर पहुंची। विभाग संयोजक मृदुल नाथ ने कहा कॉलेज परिसर में बाहरी व्यक्तियों के प्रवेश पर रोक नहीं है। जिस वजह से कुछ आसामाजिक तत्व आकर छात्राओं से छेड़छाड़ भी करते है। ऐसे में छात्राओं की सुरक्षा सवालों के घेरे में है।

भांजे का मोबाइल हैक, मामा से डेढ़ लाख की ठगी

भिंड। भिंड के फूप थाना क्षेत्र में साइबर ठगों ने मर्चेंट नेवी में कार्यरत युवक का फेसबुक अकाउंट हैक कर उसके मामा से डेढ़ लाख रुपए की ऑनलाइन ठगी कर ली। ठगों ने फेसबुक मैसेंजर पर वीजा सस्पेंड होने और तत्काल पैसों की जरूरत का झांसा देकर किसान को अपने जाल में फंसा लिया। शिकायत के बाद पुलिस ने अज्ञात साइबर ठगों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, फूप थाना क्षेत्र के ग्राम गौहरागांव निवासी 37 वर्षीय रामनिवास शर्मा ने शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि उनका भांजा मर्चेंट नेवी में कार्यरत है। 1 और 2 जुलाई को उसके फेसबुक मैसेंजर से संदेश आए कि उसका वीजा सस्पेंड हो गया है। अधिकारियों ने मोबाइल और दस्तावेज जब्त कर लिए हैं, इसलिए वह फोन पर बात नहीं कर सकता। मैसेज में वीजा बहाल कराने के लिए तत्काल डेढ़ लाख रुपए की जरूरत बताई गई।

जबलपुर की खितौला बैंक डकैती का मास्टरमाइंड पकड़ाया, सोना भी बरामद

14 किलो 800 ग्राम सोने के आभूषण की लूट के बाद से था फरार

संवाददाता ● जबलपुर

जबलपुर क्राइम ब्रांच और खितौला पुलिस ने ईएसएएफ (ESAF) बैंक में 14 किलो 800 ग्राम सोने की डकैती मामले में बड़ी सफलता हासिल की है।

शुक्रवार को पुलिस ने खुलासा किया है कि बिहार के गया जिले से मुख्य डकैत सुनील पासवान और उसके साथी चंचल पासवान को गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपियों के पास से डकैती का लगभग 750 ग्राम सोना बरामद किया है, जिसकी बाजार कीमत करीब सवा करोड़ रुपए है। सुनील पासवान चार राज्यों में वांछित था। बता दें,

यह डकैती 11 अगस्त 2025 को खितौला स्थित ईएसएएफ स्मॉल फाइनेंस बैंक में हुई थी। पांच नकाबपोश बदमाशों ने हथियारों के बल पर लगभग 14 किलो 800 ग्राम सोने के आभूषण और 5 लाख रुपए नकद लूटे थे। घटना की गंभीरता को देखते हुए आईजी प्रमोद वर्मा, डीआईजी अतुल सिंह और एसपी संपत उपाध्याय ने घटनास्थल का दौरा किया था। आईजी जबलपुर ने मुख्य आरोपियों की गिरफ्तारी पर 30 हजार रुपए का इनाम भी घोषित किया था। वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में गठित क्राइम ब्रांच और पुलिस की विशेष टीम ने बिहार के गया जिले में डेरा डाला। बिहार एसटीएफ के सहयोग से तिलैया गांव

में घेराबंदी कर एक किराए के मकान में छिपे सुनील पासवान को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि डकैती में उसे मिले डेढ़ किलो सोने में से 750 ग्राम सोना उसने अपने परिचित चंचल पासवान को 45 लाख रुपये में बेचा था। सुनील की निशानदेही पर चंचल पासवान को भी गिरफ्तार कर लिया गया।

3 राज्यों में वांटेड था आरोपी सुनील

गिरफ्तार डकैत सुनील पासवान मध्य प्रदेश के जबलपुर के अलावा बिहार, झारखंड और छत्तीसगढ़ राज्यों में बैंक डकैती व लूट के कई मामलों में लंबे समय से वांछित था। उसके खिलाफ विभिन्न राज्यों के थानों में लूट और डकैती के 9 गंभीर मामले दर्ज हैं। पुलिस अब शेष बचे सोने की बरामदगी और इस नेटवर्क से जुड़े अन्य सुनारों की तलाश के लिए आरोपियों से गहन पूछताछ कर रही है।

सागर के 6 आदतन अपराधी एक साल के लिए जिलाबदर

सागर। 6 आदतन अपराधियों को जिलाबदर किया गया है। एसपी की अनुशंसा पर कलेक्टर प्रतिभा पाल ने आरोपियों को 1-1 साल के लिए जिलाबदर के आदेश जारी किए है। आदेश जारी होने के बाद पुलिस ने अपराधियों को गिरफ्तार किया। अपराधियों को सागर जिला समेत आसपास के जिलों की सीमा से बाहर छोड़ा गया है। इन अपराधियों को पुलिस ने जबलपुर, भोपाल और उत्तरप्रदेश के ललितपुर क्षेत्र में छोड़ा है। जारी आदेश के अनुसार, अपराधी गौरव पिता हरविलास कोरी 25 वर्ष निवासी गोलाकुआ सूबेदार वार्ड, धीरज पिता महेश कोरी, चंदन पिता नंदराम आठ्या, रियाज उर्फ तनवीर पिता नबाव खान, राजा उर्फ सुनील पिता भिम्मू उर्फ खेमचंद यादव और भिम्मू उर्फ खेमचंद पिता रामचरण यादव को एक-एक साल के लिए जिलाबदर किया गया है।

सड़क चौड़ीकरण में बाधा बना दो मंजिला मकान ढहाया

बैतूल। बैतूल के इंदिरा वार्ड में शुक्रवार को नगर पालिका ने सड़क निर्माण के लिए पक्के अतिक्रमण के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की। इस दौरान एक दो मंजिला मकान के अतिक्रमित हिस्से को जेसीबी और ड्रिल मशीन की मदद से तोड़ा गया। मौके पर लोगों की भीड़ जमा रही और पुलिस बल भी तैनात था। नगर पालिका के अनुसार, इटारसी रोड स्थित सतपाल आश्रम के सामने से गुजरने वाली सड़क को साढ़े सात मीटर चौड़ा किया जाना है। इसी सड़क के निर्माण में बाधा बन रहे पक्के अतिक्रमण हटाए जा रहे हैं। शुक्रवार को महिला दीप मालिक के दो मंजिला मकान का करीब 10 फीट हिस्सा जेसीबी की मदद से ढहाया गया। मकान का पिछला हिस्सा प्रस्तावित सड़क की सीमा में आ रहा था।

सांसद बोलीं- 2 साल में बड़े काम किए

बालाघाट में स्टेशन लोकार्पण, खाली कुर्सियां भरने स्कूली छात्र बैठाए

संवाददाता ● बालाघाट

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 17 जुलाई शुक्रवार को अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पुनर्विकसित बालाघाट रेलवे स्टेशन का वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से लोकार्पण किया। इस समारोह में क्षेत्रीय सांसद भारती पारधी, कांग्रेस विधायक अनुभा मुंजारे, गौरव पारधी, नगर पालिका अध्यक्ष भारती ठाकुर और पूर्व नपाध्यक्ष रमेश रंगलानी समेत रेलवे के कई वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

कम भीड़ के चलते खाली रहीं कुर्सियां

लोकार्पण कार्यक्रम के दौरान एक अजीब स्थिति देखने को मिली। समारोह में आम जनता की उपस्थिति उम्मीद से काफी कम रही, जिसके कारण कार्यक्रम स्थल पर लगाई गई कई कुर्सियां खाली रह गईं। बाद में इन खाली कुर्सियों को भरने के लिए आनन-फानन में स्कूली विद्यार्थियों को वहां लाकर बैठाया गया।

सांसद ने बेहतर रेल कनेक्टिविटी का दिया भरोसा

समारोह को संबोधित करते हुए सांसद भारती पारधी ने जिले की जनता को विश्वास दिलाया कि आने वाले समय में बालाघाट को भोपाल, दिल्ली और इंदौर जैसी बड़े शहरों से सीधे रेल कनेक्टिविटी से जोड़ा जाएगा। उन्होंने क्षेत्र में मालगाड़ियों के अधिक संचालन और यात्री ट्रेनों के समय पर न चलने को लेकर स्थानीय लोगों की नाराजगी को स्वीकार किया। सांसद ने कहा कि डबल लाइन का काम पूरा होने के बाद ट्रेनों की लेटलतीफी की यह समस्या काफी हद तक खत्म हो जाएगी। विपक्षी दल की होने के बावजूद कांग्रेस विधायक अनुभा मुंजारे ने अमृत भारत स्टेशन योजना के माध्यम से बालाघाट स्टेशन को आधुनिक और नया स्वरूप देने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सांसद भारती पारधी की खुलकर प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि सांसद के लगातार प्रयासों और केंद्र सरकार के सहयोग के कारण ही बालाघाट रेलवे स्टेशन का कायाकल्प संभव हो पाया है।

"बच्चा पैदा होने में भी 9 महीने लगते हैं"

कार्यक्रम के बाद जब पत्रकारों ने यात्री ट्रेनों के समय पर न चलने और जबलपुर के लिए ट्रेनों की संख्या कम होने पर सवाल उठाया, तो सांसद भारती पारधी ने इन समस्याओं को माना। उन्होंने अपनी दो साल की उपलब्धियां गिनाते हुए कहा, "बच्चा पैदा होने में भी 9 महीने लगते हैं, जबकि मैंने इन दो सालों में बालाघाट को एक विकसित जिला बनाने के लिए लगातार प्रयास किए हैं।" उन्होंने क्षेत्र के विकास के लिए कराए गए कार्यों का उल्लेख करते हुए बताया कि उन्होंने डबल लाइन का काम स्वीकृत कराया, बंद हो रहे रेंजर कॉलेज को वापस शुरु करवाया और एक साल के भीतर बालाघाट में तीन केंद्रीय विद्यालय लेकर आईं।

घरेलू विवाद के बाद दंपती ने कुएं में लगाई छलांग

संवाददाता ● छतरपुर

छतरपुर जिले के ओरछा रोड थाना क्षेत्र के ग्राम केड़ी में शुक्रवार को एक घरेलू विवाद के बाद पति-पत्नी ने कुएं में छलांग लगा दी। ओरछा रोड थाना पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से त्वरित कार्रवाई करते हुए दोनों को सुरक्षित बाहर निकाला। फिलहाल, उनका जिला अस्पताल में उपचार चल रहा है और उनकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है।

जानकारी के अनुसार, ग्राम केड़ी निवासी परमलाल अहिरवार और उनकी पत्नी भागवती अहिरवार के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। बताया जा रहा है कि विवाद के दौरान पति ने पत्नी के साथ मारपीट भी की थी। इसी तनावपूर्ण स्थिति में परमलाल ने गांव के एक कुएं में छलांग लगा दी। पति को कुएं में कूदते देख पत्नी भागवती भी उसके पीछे कुएं में कूद गई। घटना की सूचना मिलते ही ओरछा रोड थाना प्रभारी दीपक यादव पुलिस बल के साथ

तत्काल मौके पर पहुंचे। पुलिस ने बिना समय गंवाए स्थिति की गंभीरता को समझते हुए स्थानीय ग्रामीणों की मदद से रेस्क्यू अभियान शुरू किया। काफी मशक्कत के बाद पुलिस और ग्रामीणों के संयुक्त प्रयासों से दोनों पति-पत्नी को सुरक्षित कुएं से बाहर निकाल लिया गया। इस दौरान गांव में बड़ी संख्या में ग्रामीण एकत्र हो गए थे। समय पर हुई इस कार्रवाई से एक बड़ा हादसा टल गया।

दंपती की हालत अब खतरे से बाहर

रेस्क्यू के तुरंत बाद पुलिस दोनों को जिला अस्पताल ले गई, जहां उनका उपचार शुरू किया गया। चिकित्सकों के अनुसार, परमलाल और भागवती अहिरवार की हालत अब खतरे से बाहर है और वे डॉक्टरों की निगरानी में हैं। ओरछा रोड थाना पुलिस ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। पति-पत्नी के बीच विवाद की वास्तविक वजह और पूरे घटनाक्रम की विस्तृत जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस ने कहा कि जांच के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

बसों की कमी से सैकड़ों स्टूडेंट्स की पढ़ाई प्रभावित

संवाददाता ● सीहोर

सीहोर स्थित रेहटी स्थित सांदीपनी स्कूल में नए शिक्षा सत्र की शुरुआत के एक माह बाद भी सैकड़ों छात्र-छात्राओं को स्कूल बस की सुविधा नहीं मिल पा रही है। इससे उनकी नियमित पढ़ाई प्रभावित हो रही है, जिससे अभिभावकों में नाराजगी है।

स्कूल की नई बिल्डिंग शुरू होने के बाद बड़ी संख्या में नए विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया है। हालांकि, छात्रों की संख्या बढ़ने के बावजूद बसों की संख्या में वृद्धि नहीं की गई है। स्कूल में 20 किलोमीटर तक के विद्यार्थियों को निःशुल्क बस सुविधा देने का प्रावधान है, लेकिन वर्तमान में यह व्यवस्था उपलब्ध नहीं है। अभिभावकों का कहना है कि नए सत्र की शुरुआत से ही बसों की मांग की जा रही है, पर अब तक कोई समाधान नहीं निकला। बस सुविधा के अभाव में पथोड़ा, मोगरा, बरखेड़ा, नदियाखेड़ा, झोलियापुर सहित लगभग 20 से अधिक गांवों के छात्र-छात्राओं को सबसे अधिक परेशानी हो रही है। कई अभिभावक निजी वाहन की व्यवस्था करने में असमर्थ हैं, जबकि कुछ बच्चों को लंबी दूरी पैदल तय कर स्कूल पहुंचना पड़ रहा है। इससे उनकी सुरक्षा और पढ़ाई दोनों प्रभावित हो रही हैं। स्कूल की बस संचालन का ठेका समाया बस कंपनी के पास है। बताया जा रहा है कि कंपनी ने यह कार्य किसी अन्य कंपनी को सौंप दिया है, लेकिन नई कंपनी छात्रों की संख्या के अनुसार अतिरिक्त बसें उपलब्ध नहीं करा रही है।

3000 फीट नीचे उतारी, ब्लैक मार्केट में 5 करोड़ तक कीमत, नरवर किले में अब 13 तोपें बचीं

सिंधिया रियासत की 400 साल पुरानी तोप चोरी

संवाददाता ● शिवपुरी

मध्य प्रदेश के शिवपुरी के नरवर किले से संधिया रियासत की 400 साल पुरानी तोप चोरी हो गई। बदमाश किले की ओपन कचहरी से 16वीं शताब्दी की करीब 3500 किलो वजनी ऐतिहासिक तोप चुराकर ले गए। इंटरनेशनल एंटीक ब्लैक मार्केट में इसकी कीमत 3-5 करोड़ रुपए हो सकती है।

चोरों ने वारदात को पूरी प्लानिंग के तहत अंजाम दिया है। तोप को पहले गद्दों में लपेटा, फिर बैरिंग लगी लोहे की ट्रॉली की मदद से करीब 3 हजार फीट नीचे उतारा। इसके बाद लोडिंग गाड़ी में लादकर फरार हो गए। वारदात 15 जुलाई की रात की है। नरवर किले में सुरक्षाकर्मी ड्यूटी पर तैनात नहीं थे। चोरों ने इसी का फायदा उठाया। शक है कि वारदात को इंटरनेशनल एंटीक ब्लैक मार्केट से जुड़े लोगों न अंजाम दिया है। किले के बाहर हैवी गाड़ियों के टायर के निशान मिले हैं। जांच में यह भी सामने आया है कि चोरों ने इस चोरी की पूरी तैयारी पहले से कर रखी थी। 4-5 जुलाई की रात बदमाशों

घटनास्थल से मिले कई अहम सुराग

राज्य पुरातत्व विभाग और पुलिस की संयुक्त टीम ने मौके का निरीक्षण किया। जांच के दौरान घटनास्थल से गद्दे, रजाई, लोहे के पाइप और तोप को घसीटकर ले जाने के निशान मिले हैं। इसके अलावा किले के पिछले दुर्गम रास्ते पर वाहन के टायरों के निशान भी मिले हैं।

ने इसी तोप को उसके मूल स्थान से नीचे गिरा दिया था, लेकिन अत्यधिक वजन होने के कारण उसे वहां से ले नहीं जा सके। घटना के बाद सुरक्षा गार्डों ने नरवर थाने में शिकायत भी दर्ज कराई थी, लेकिन मामले को गंभीरता से नहीं लिया गया। इसके बाद 15-16 जुलाई की रात आरोपी पूरी तैयारी के साथ दोबारा लौटे। इस बार वे बैरिंग लगी लोहे की ट्रॉली लेकर आए और उसी की मदद से तोप को नीचे उतारकर वाहन में भरकर फरार हो गए।

अब किले में बचीं सिर्फ 13 ऐतिहासिक तोपें

नरवर किले की ओपन कचहरी में सिंधिया राजवंश काल की कुल 14 दुर्लभ ऐतिहासिक तोपें रखी थीं। चोरी के बाद अब वहां 13 तोपें ही बची हैं। कचहरी महल का निर्माण 16वीं शताब्दी में कछवाह राजाओं ने कराया था। इसके बाद 1925 में महाराजा माधवराव सिंधिया के आदेश पर इसका जीर्णोद्धार कराया गया। यहां रखी गई सभी तोपें पीतल, तांबा, कांसा और अष्टधातु जैसी मिश्रित धातुओं से बनी हैं। इन पर फारसी और देवनागरी लिपि में शिलालेख भी अंकित हैं।

यूरिय आर. फेडकीव ने अमेरिकी काउंसलेट, मुंबई में महावाणिज्य दूत का पदभार संभाला

मुंबई। यूरिय आर. फेडकीव भारत के मुंबई में नए अमेरिकी महावाणिज्य दूत काउंसिल जनरल बनाए गए हैं। उन्होंने अपना पदभार ग्रहण कर लिया है।

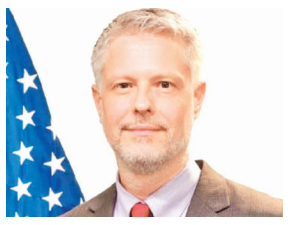

मुंबई आने से पहले फेडकीव स्विट्जरलैंड में राजनीतिक-आर्थिक मामलों के काउंसलर और दीर्घकालिक कार्यवाहक उप मिशन प्रमुख के रूप में कार्यरत थे। वहां वे स्विस परिसंघ और लिकटेंस्टीन की रियासत से संबंधों को देखते थे।

फेडकीव की पिछली राजनयिक तैनातियां अमेरिका के दूतावासों में यूक्रेन, पोलैंड, इराक, स्लोवेनिया और जापान में रही हैं। वहां उन्होंने राजनीतिक, आर्थिक, वाणिज्यिक, राजनीतिक-सैन्य सहायता, कानून प्रवर्तन, अप्रसार और विज्ञान व प्रौद्योगिकी जैसे मुद्दों पर काम किया। 2021 में फेडकीव ने कतर में अफगानिस्तान मामलों की इकाई स्थापित करने में मदद की थी। वहां उन्होंने तालिबान से मानवाधिकार, मानवीय मुद्दों और सुरक्षा प्राथमिकताओं पर बातचीत की। वे पहले लाहौर पाकिस्तान में महावाणिज्य दूत, फुकुओका जापान में प्रधान अधिकारी और चेंगदू चीन में वाणिज्य दूत के रूप में भी सेवाएं दे चुके हैं। भारत में रहते हुए फेडकीव क्षेत्रीय नेतृत्व और हितधारकों से जुड़ने के लिए उत्सुक हैं ताकि अमेरिकी आर्थिक हितों को आगे बढ़ाया जा सके, महत्वपूर्ण सुरक्षा साझेदारियों को मजबूत किया जा सके और यह सुनिश्चित किया जा सके कि द्विपक्षीय सहयोग से अमेरिकी जनता को ठोस लाभ मिले। फेडकीव को प्रकृति बहुत पसंद है और वे भारत, उसकी संस्कृति और भाषाओं को जानने के लिए उत्साहित हैं।

25 जुलाई को निकलेगा भव्य मातोश्री अहिल्याबाई होलकर पालखी सोहला, तैयारियों को लेकर हुई महत्वपूर्ण बैठक

इंदौर ● संवाददाता

लगभग 750 वर्षों से सामाजिक समरसता, एकता और भक्ति का संदेश देने वाली पंढरपुर की वारी परंपरा हमारी संस्कृति की अमूल्य धरोहर है। इसी अखंड परंपरा को आगे बढ़ाते हुए इंदौर का संपूर्ण मराठी समाज इस वर्ष एक बार फिर एकजुट होकर आषाढ़ी एकादशी के पावन अवसर पर 25 जुलाई 2026 को आयोजित होने वाले 'मातोश्री अहिल्याबाई होलकर पालखी सोहळा ' में उत्साहपूर्वक सहभागी होगा।

इस भव्य आयोजन की तैयारियों के तहत आज गणेश मंडल, इंदौर में मराठी समाज के प्रमुख गणमान्य नागरिकों, विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों, वारकरी, विठ्ठल भक्तों एवं मातृशक्ति की एक महत्वपूर्ण योजना बैठक उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई। बैठक में पालखी सोहळा की रूपरेखा, विभिन्न समाजों की भागीदारी, जिम्मेदारियों का वितरण तथा आयोजन को अधिक भव्य और दिव्य बनाने के संबंध में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक में सानंद न्यास के जयंत भिसे, राष्ट्रप्रसिद्ध कलाकार अजय मलमकर, युवराज काशीद, क्षत्रिय मराठा समाज के अध्यक्ष सोमवंशी, अहिल्या जन्मोत्सव समिति के विपिन मतकर, क्षत्रिय धनगर समाज के अध्यक्ष रणजीत भुसारी, छत्रपति शिवाजी सहकारी साख संस्था के अशोक आमणापूरकर, नगरसेवक प्रशांत बडवे, वरिष्ठ समाजसेविका एवं पूर्व पार्षद श्रीमती विनिता धर्म, बौद्धिक प्रमुख श्रीमती सुचिता फडणवीस, महिला मोर्चा उपाध्यक्ष श्रीमती वृंदा गौड़, सी.के.पी. समाज के पूर्व अध्यक्ष प्रशांत दिघे, मातंग समाज के खंदारे, माली समाज के गोरख भामरे, चर्मकार समाज के मुकेश शेकोकर, शरद पवार, किरण मांजरेकर, रवी देशपांडे, पराडकर, यशवंत काशीद, विनोद जवकर, नितीन अडसूळ, मनीष चोरट, शरद पारखे, श्रीमती आशा पाटिल, निखिल खानविलकर, श्रीमती नम्रता सावंत सहित वैदिक आश्रम, रामनगर, बौद्ध समाज, सुखलिया मंडल, समर्थ मठ, सर्व मराठी भाषीय संघ, समग्र मराठी समाज, तिल्लोर क्षेत्र के पांच गांवों के प्रतिनिधि, बैतूलवासी मराठी समाज, कुणबी मराठा समाज, समर्थ मराठी मंडल (मानवता नगर), पाल धनगर समाज (मुसाखेड़ी), वंजारी समाज, गोपाल समाज, साली समाज तथा मराठी समाज के अनेक प्रबुद्ध नागरिक एवं मातृशक्ति बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। बैठक में सभी वक्ताओं ने एक स्वर में कहा कि जब समाज एकजुट होता है तो परंपराएं और अधिक भव्य बनती हैं, संस्कृति समृद्ध होती है और सामाजिक एकता की शक्ति मजबूत होती है। सभी नागरिकों से अपील की गई कि वे 25 जुलाई 2026 को आयोजित होने वाले ऐतिहासिक मातोश्री अहिल्याबाई होलकर पालखी सोहले में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर भक्ति, सामाजिक समरसता और राष्ट्रीय एकता का संदेश जन-जन तक पहुंचाएं।

आईआईटी दिल्ली में होने वाले ब्रिक्स इंडिया यूथ कॉन्फ्रेंस-2026 के रिसर्च डायरेक्टर बने डॉ. एस. एम. अनस इक़बाल

इंदौर ● संवाददाता

वरिष्ठ शिक्षाविद् डॉ. एस. एम. अनस इक़बाल को ब्रिक्स इंडिया यूथ कॉन्फ्रेंस-2026 का डायरेक्टर (रिसर्च) नियुक्त किया गया है। यह प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 14 सितंबर 2026 को आईआईटी दिल्ली, नई दिल्ली में आयोजित होगा।

सम्मेलन का विषय 'From Strength to Strength: Youth Shaping the Future of BRICS' रखा गया है। इसमें भारत सहित ब्रिक्स देशों के युवा प्रतिनिधि, राजनयिक, नीति-निर्माता, शिक्षाविद्, रक्षा विशेषज्ञ, शोधकर्ता एवं उद्यमी वैश्विक सहयोग, युवा कूटनीति तथा भविष्य की नीतियों पर विचार-विमर्श करेंगे। डॉ. इक़बाल सम्मेलन के शोध एवं अकादमिक कार्यों का नेतृत्व करेंगे। उनकी जिम्मेदारियों में सम्मेलन के शोध ढांचे का निर्माण, रिसर्च टीम का मार्गदर्शन, नीति-पत्र एवं बैकग्राउंड पेपर तैयार कराना, तकनीकी सत्रों की अकादमिक गुणवत्ता सुनिश्चित करना तथा सम्मेलन की अंतिम रिपोर्ट एवं अनुशंसाओं के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाना शामिल है। भारतीय मंथनम् रिसर्च विभाग के चीफ ऑफ स्टाफ मानव त्रिपाठी ने नियुक्ति पत्र जारी करते हुए कहा कि डॉ. इक़बाल का व्यापक शैक्षणिक एवं शोध अनुभव सम्मेलन की अकादमिक गुणवत्ता को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएगा। डॉ. अनस इक़बाल की इस प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय नियुक्ति पर शिक्षाविदों, शोधकर्ताओं एवं विभिन्न सामाजिक और शैक्षणिक संगठनों ने उन्हें बधाई देते हुए इसे इंदौर एवं मध्यप्रदेश के लिए गौरव का विषय बताया।

संक्षेप

38 कर्मचारियों को पदोन्नति की सौगात

इन्दौर। संभागायुक्त कार्यालय इंदौर एवं संभाग के अधीनस्थ कार्यालयों में कार्यरत कर्मचारियों को पदोन्नति का लाभ मिला है। विभागीय प्रक्रिया पूर्ण होने के उपरांत विभिन्न संवर्गों के कुल 38 कर्मचारियों को उच्च पदों पर पदोन्नत किया गया है। पदोन्नति से कर्मचारियों में उत्साह का वातावरण है। उच्च श्रेणी लिपिक (यूडीसी) संवर्ग के 19 कर्मचारी, स्टेनोग्राफर संवर्ग के 5 कर्मचारी तथा स्टेनोटाइपिस्ट संवर्ग के 4 कर्मचारी संभाग के अधीनस्थ कार्यालयों में पदस्थ हैं, जिन्हें पदोन्नति का लाभ प्रदान किया गया है। वहीं संभागायुक्त कार्यालय इंदौर में पदस्थ निम्न श्रेणी लिपिक (एलडीसी) संवर्ग के 6 कर्मचारी तथा भृत्य संवर्ग के 4 कर्मचारियों को भी उच्च पदों पर पदोन्नत किया गया है। इस प्रकार विभिन्न श्रेणियों के कुल 38 कर्मचारियों को पदोन्नति का लाभ मिला है।

कलेक्टर के निर्देश पर इंदौर जिले में सड़क सुरक्षा अभियान जारी

इन्दौर। कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देश एवं क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी श्री प्रदीप शर्मा के मार्गदर्शन में इंदौर जिले में सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों के प्रभावी पालन के लिए लगातार सघन अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में संभागीय परिवहन सड़क सुरक्षा दस्ता द्वारा लोक परिवहन वाहनों, स्कूल एवं कॉलेज वाहनों तथा मालवाहक वाहनों की नियमित जांच की जा रही है। शुक्रवार को सड़क सुरक्षा दस्ता द्वारा राऊ चौराहा एवं बायपास क्षेत्र में विशेष चेकिंग अभियान चलाकर लोक परिवहन एवं मालवाहक वाहनों का निरीक्षण किया गया। अभियान के दौरान वाहनों के आवश्यक दस्तावेज, परमिट की शर्तों का पालन, निर्धारित क्षमता से अधिक सवारी, वाहन की गति, स्पीड गवर्नर सहित अन्य सुरक्षा मानकों की गहन जांच की गई।

जिले में खरीफ फसलों की स्थिति बेहतर

इन्दौर। जिले में खरीफ सीजन के दौरान कुल 2,52,150 हेक्टेयर क्षेत्र में फसलों की बोनी की गई है। इसमें सर्वाधिक 2,33,700 हेक्टेयर यानि लगभग 93 प्रतिशत क्षेत्र में सोयाबीन की खेती की गई है। वर्तमान में जिले की खरीफ फसलों की स्थिति संतोषजनक एवं अच्छी है। किसान फसलों में खरपतवार नियंत्रण तथा नमी संरक्षण के लिए डोरा चलाने एवं अन्य अंतरवर्ती कृषि कार्य कर रहे हैं। जिले में इस वर्ष 17 जुलाई तक 13.9 इंच वर्षा दर्ज की गई है, जबकि गत वर्ष इसी अवधि तक केवल 7.2 इंच औसत वर्षा हुई थी। इस प्रकार पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष लगभग दोगुनी वर्षा होने से खरीफ फसलों को पर्याप्त लाभ मिला है। उप संचालक कृषि ने बताया कि कृषकों को ई-विकास प्रणाली के माध्यम से उर्वरकों का वितरण निरंतर किया जा रहा है।

मध्य प्रदेश में बनेगी नई दिव्यांग नीति

पर्पल फेयर इंदौर-2026 में सांसद ने किया सम्मान

इंदौर ● संवाददाता

राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य पुनर्वास संस्थान (एनआईएमएचआर) सीहोर तथा सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग इंदौर के संयुक्त तत्वावधान में शुक्रवार को रवींद्र नाट्य गृह में 'पर्पल फेयर इंदौर-2026' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में दिव्यांगजनों की प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया तथा उन्हें अपनी प्रेरक जीवन यात्रा साझा करने का अवसर मिला। दिव्यांग बच्चों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से उपस्थितजनों का मन मोह लिया।

सांसद श्री शंकर लालवानी ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण के लिए लगातार संवेदनशीलता के साथ कार्य कर रही हैं। उन्होंने स्वयंसेवी संस्थाओं से आग्रह किया कि वे अधिक से अधिक दिव्यांगजनों तक शासन की योजनाओं का लाभ पहुंचाएं। उन्होंने कहा कि इंदौर दिव्यांगजनों के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य कर रहा है और यहां राष्ट्रीय स्तर पर कार्य करने वाले अनेक एनजीओ सक्रिय हैं। सांसद श्री लालवानी ने राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य पुनर्वास संस्थान (एनआईएमएचआर) के इंदौर में सैटेलाइट सेंटर स्थापित करने की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि इससे इंदौर सहित संभाग के अन्य जिलों के भी दिव्यांगजन और संस्थाएं लाभान्वित होंगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश की नई दिव्यांग नीति तैयार करते समय इंदौर के अनुभवी स्वयंसेवी संगठनों से भी सुझाव लिए जाएं ताकि नीति अधिक प्रभावी और व्यवहारिक बन सके। उन्होंने इंदौर की कई प्रेरणादायी दिव्यांग प्रतिभाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि इंदौर में अनेक युवाओं ने अपनी मेहनत और आत्मविश्वास से नई पहचान बनाई है। उन्होंने इन सफलताओं का श्रेय सेवा भाव से कार्य कर रहे स्वयंसेवी संगठनों और समाज के सहयोग को दिया। कार्यक्रम में विधायक श्री गोलू शुक्ला भी शामिल हुए और दिव्यांग बच्चों से संवाद करते हुए उनका हौसला बढ़ाया। निशक्तजन आयुक्त डॉ. अजय खेमरिया ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में प्रदेश के दिव्यांगजनों के लिए नई समावेशी दिव्यांग नीति तैयार की जा रही है। इस नीति के निर्माण में विशेषज्ञों, स्वयंसेवी संस्थाओं तथा सभी संबंधित पक्षों के सुझाव शामिल किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने दिव्यांगजनों की मदद के लिए 32 करोड़ रुपये की

दिव्यांग निधि स्थापित की है। इस निधि से प्रतिभावान दिव्यांगजनों को खेल, उच्च शिक्षा, कला, संस्कृति आदि क्षेत्रों में आगे बढ़ने के लिए आर्थिक मदद दी जाएगी। साथ ही दिव्यांगजनों को स्वरोजगार और उद्यमिता के क्षेत्र में भी मदद दी जाएगी। युवाओं को रियायती ब्याज दर पर ऋण उपलब्ध कराया जाएगा। स्टार्टअप में भी मदद की जाएगी।

कार्यक्रम के प्रारंभ में राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य पुनर्वास संस्थान (एनआईएमएचआर) सीहोर के डायरेक्टर श्री अखिलेश कुमार शुक्ला ने अतिथियों का स्वागत करते हुए पर्पल फेयर के उद्देश्य पर प्रकाश डाला।

इंदौर जिले की 10 स्वास्थ्य संस्थाएं सम्मानित

इन्दौर। राष्ट्रीय गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम के अंतर्गत प्रदान किए जाने वाले कायाकल्प अवार्ड में इंदौर जिले की 10 स्वास्थ्य संस्थाओं को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए पुरस्कृत किया गया है। इन संस्थाओं ने स्वच्छता, संक्रमण नियंत्रण, जैव-चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन, गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं तथा मरीजों की संतुष्टि जैसे मानकों पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए यह उपलब्धि हासिल की है। कायाकल्प कार्यक्रम का उद्देश्य सरकारी स्वास्थ्य संस्थाओं में स्वच्छ, सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं को बढ़ावा देना तथा हितग्राहियों को बेहतर उपचार वातावरण उपलब्ध कराना है। इसके अंतर्गत अस्पतालों का मूल्यांकन अस्पताल की साफ-सफाई, रखरखाव, संक्रमण नियंत्रण, जैव-चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन, सहायक सेवाएं, स्वच्छता संवर्धन, मरीजों की संतुष्टि, सकारात्मक वातावरण, पर्यावरण अनुकूल सुविधाएं तथा वॉश सहित निर्धारित नौ प्रमुख मानदंडों के आधार पर किया जाता है। मूल्यांकन की प्रक्रिया तीन चरणों में संपन्न होती है। सबसे पहले स्वास्थ्य संस्था स्वयं का आकलन कर दावा प्रस्तुत करती है। इसके बाद जिला एवं राज्य स्तर की टीमों द्वारा निरीक्षण किया जाता है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, इंदौर डॉ. माधव प्रसाद हासानी ने पुरस्कार प्राप्त करने वाली सभी स्वास्थ्य संस्थाओं के प्रभारियों एवं कर्मचारियों को बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं, टीमवर्क और समर्पित कार्य संस्कृति का परिणाम है। उन्होंने कहा कि इन संस्थाओं का उत्कृष्ट प्रदर्शन अन्य स्वास्थ्य संस्थानों के लिए भी प्रेरणास्रोत बनेगा तथा जिले में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता और स्वच्छता को नई दिशा मिलेगी।

GRP ने 4 वाहन जब्त किए

महू रेलवे स्टेशन से बाइक चोर गिरफ्तार

महू ● संवाददाता

जीआरपी ने रेलवे स्टेशन परिसर से दोपहिया वाहन चोरी करने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चार चोरी के वाहन बरामद किए हैं। जब्त वाहनों की कुल कीमत करीब 2.20 लाख रुपए बताई गई है। पुलिस अब बरामद अन्य तीन वाहनों के वास्तविक मालिकों की पहचान करने में जुटी है।

रेलवे कर्मचारी की शिकायत से खुला मामला

जीआरपी के अनुसार, डॉ. अंबेडकर नगर (महू) निवासी एवं रेलवे लोको लॉबी में कार्यरत गोविंद प्रसाद कैथवास ने शिकायत दर्ज कराई थी कि 1 जुलाई 2026 को आरपीएफ पोस्ट के पीछे खड़ी उनकी होंडा शाइन मोटरसाइकिल चोरी हो गई। शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। जांच के दौरान पुलिस ने रेलवे स्टेशन परिसर और आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले। तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर धार जिले के पीथमपुर निवासी अरविंद कुमार (42) को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। पूछताछ में आरोपी ने बाइक चोरी की वारदात स्वीकार कर ली।

जीआरपी थाना प्रभारी निरीक्षक रश्मि पाटीदार के नेतृत्व में चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक बिसेंट चंपावत, प्रधान आरक्षक धनंजय सिंह और कृष्णा चौहान की टीम ने कार्रवाई को अंजाम दिया। पुलिस का कहना है कि बरामद अन्य तीन वाहनों के वास्तविक मालिकों की पहचान कर उन्हें वाहन सौंपने की प्रक्रिया की जा रही है।

चार चोरी के वाहन जब्त

आरोपी की निशानदेही पर चोरी हुई होंडा शाइन मोटरसाइकिल (कीमत 65 हजार रुपए) बरामद की गई। पूछताछ में आरोपी ने अन्य वाहन चोरी की घटनाओं का भी खुलासा किया। इसके बाद उसकी निशानदेही पर हीरो पैशन प्रो, हीरो एचएफ डीलक्स और एक्टिवा सहित तीन अन्य दोपहिया वाहन भी बरामद किए गए। सभी वाहनों की कुल अनुमानित कीमत करीब 2.20 लाख रुपए है।

इंदौर में ताई ने सीएम से मांगा एयरपोर्ट विस्तार

इंदौर ● संवाददाता

पूर्व लोकसभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पत्र लिखकर इंदौर के देवी अहिल्याबाई होलकर अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के विस्तार कार्य में तेजी लाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि इंदौर प्रदेश की आर्थिक और औद्योगिक राजधानी है। बढ़ते हवाई यातायात और भविष्य की जरूरतों को देखते हुए एयरपोर्ट का जल्द विस्तार जरूरी है।

महाजन ने पत्र में उज्जैन में अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट निर्माण की पहल का स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री का आभार जताया। उन्होंने कहा कि बाबा महाकाल, ओंकारेश्वर और सिंहस्थ-2028 को देखते हुए उज्जैन का सर्वांगीण विकास आवश्यक है। महाजन ने बताया कि इंदौर एयरपोर्ट का निर्माण 1938 में होलकर राजवंश के समय हुआ था। आज यह प्रदेश का सबसे व्यस्त और एकमात्र अंतरराष्ट्रीय विमानतल है। उन्होंने कहा कि अपने संसदीय कार्यकाल में एयर ट्रैफिक सर्विस (एटीएस) टॉवर और नया टर्मिनल भवन बनवाया गया। इसके बाद अतिरिक्त रनवे, टैक्सी-वे और पार्किंग विस्तार की योजना भी तैयार कराई गई। पत्र में उन्होंने कहा कि पार्किंग विस्तार के लिए 2019 में भूमि मंजूर हो चुकी है, लेकिन रनवे विस्तार और समानांतर टैक्सी-वे के लिए आवश्यक सर्वे पूरा होने के बाद भी राज्य स्तर पर आगे की प्रक्रिया लंबित है। उन्होंने मुख्यमंत्री से आग्रह किया कि एयरपोर्ट विस्तार के लिए जरूरी भूमि जल्द भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण को सौंपी जाए।

स्टूडेंट ने रखा एक दिन का अनशन, ना खाना खाया ना पानी पीया

17 दिन से अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन

इंदौर ● संवाददाता

अपनी मांगों को लेकर पिछले 17 दिनों से स्टूडेंट्स का समूह टंट्याभील चौराहे पर अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन कर रहा है। उनका कहना है कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं होती उनका ये धरना प्रदर्शन जारी रहेगा। वहीं गुरुवार को एक स्टूडेंट ने एक दिन का अनशन भी किया। उसने ना तो खाना खाया ना ही पानी पीया।

बता दें कि इन स्टूडेंट्स ने 14 जुलाई को टंट्याभील चौराहे से कलेक्टर ऑफिस तक पैदल मार्च निकाला था और यहां पर कई घंटे प्रदर्शन किया था। इसके बाद उनकी एक-दो मांगों को मान लिया गया था। इधर, स्टूडेंट्स अभी भी बनी बची हुई मांगों को लेकर धरना प्रदर्शन कर रहे है।

23 सूत्रीय मांगें, कुछ पर बनी सहमति

दरअसल, टंट्याभील चौराहे पर पिछले 17 दिनों से स्टूडेंट्स का धरना प्रदर्शन जारी है। नीट पेपर लीक में दोषियों पर कार्रवाई, धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा सहित विभिन्न मांगों को लेकर स्टूडेंट्स द्वारा चौराहे पर अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन किया जा रहा है। इस धरना प्रदर्शन में कई स्टूडेंट्स आकर शामिल हो रहे हैं। अपनी मांगों को लेकर स्टूडेंट्स ने महाआंदोलन भी किया था, जिसमें उनकी कुछ मांगों पर सहमति बन गई थी, लेकिन बाकी मांगों को लेकर अभी भी स्टूडेंट्स का प्रदर्शन जारी है।

एक दिन का अनशन किया

धरने पर बैठे स्टूडेंट अरुण बड़ोले ने बताया कि उनके साथ सतीश कुमार ने गुरुवार को एक दिन का अनशन किया है। सतीश ने ना तो खाना खाया ना ही पानी पीया है। ये अनशन उन्होंने देश के शिक्षा मंत्री को जगाने के लिए किया है। अब इंदौर में आवाज बड़े स्तर पर गूंज रही है। अरुण ने स्टूडेंट्स से अपील की है कि वे ज्यादा से ज्यादा संख्या में यहां पहुंचे। अरुण ने बताया कि धरना प्रदर्शन आगे भी जारी रहेगा। इस प्रदर्शन को स्टूडेंट्स का अच्छा समर्थन मिल रहा है। कई स्टूडेंट्स इसमें शामिल हो रहे है।

संपादकीय

सोनम वांगचुक को नहीं बना पा रहे हैं अन्ना?

नीट परीक्षा के पेपर लीक होने के बाद तथा सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश द्वारा युवाओं को कॉकरोच कह देने के बाद रातों-रात कॉकरोच जनता पार्टी बन गई। करोड़ों लोग उसके सोशल मीडिया प्लेटफार्म से जुड़ गए। सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक भी पेपर लीक मामले और पर्यावरण को लेकर दिल्ली के जंतर-मंतर में कॉकरोच पार्टी के अभिजीत दिपके के साथ अनशन पर बैठ गए। अनशन स्थल पर कॉकरोच पार्टी ने छात्र संघ के नेताओं को अपने मंच पर नहीं बैठने दिया। उन्हें अलग मंच दिया गया। जिस तरह की आक्रामकता के साथ आंदोलन सरकार और व्यवस्था के खिलाफ होता है, वैसा माहौल जंतर-मंतर में देखने को नहीं मिला। ऐसा लगा, यह एक सरकारी प्रायोजित आंदोलन है। जब युवाओं की भीड़ नहीं जुटी। सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को आमरण अनशन की घोषणा करनी पड़ी। आंदोलन में भीड़ नहीं जुट रही थी, भीड़ जुटाने के लिए अन्ना आंदोलन जैसी पुनरावृत्ति की कोशिश की गई। ऐसा लगा कि वांगचुक के अनशन के बाद युवाओं की भारी भीड़ जंतर-मंतर पर एकजुट होगी। जिस तरह से यह आंदोलन शुरू हुआ, प्रारंभ से ही इसकी विश्वसनीयता को लेकर छात्रों और युवाओं को वह विश्वास नहीं हुआ, जो उन्हें होना चाहिए था। सरकार और पुलिस ने जिस तरह से आंदोलनकारी नेता के साथ सहानुभूति बरती। आंदोलन के नाम पर शिक्षा मंत्री के इस्तीफा और परीक्षाओं में सुधार को लेकर जो आंदोलन शुरू होना था। उसके स्थान पर आंदोलनकारी सरकार के खिलाफ आंदोलन जंतर-मंतर खड़ा करने के स्थान पर विपक्षी दलों पर निशाना साधने लगे। राहुल गांधी अनशन स्थल पर क्यों नहीं आए, विपक्ष के नेता क्यों नहीं आ रहे हैं? विपक्ष के खिलाफ एक मुहिम चलाई गई, जिसने आंदोलन की कलई खोल दी है। कॉकरोच जनता पार्टी के संयोजक दीपके पूर्व में आम आदमी पार्टी से जुड़े रहे हैं। सोनम वांगचुक ने धारा 370 और नई शिक्षा नीति को लेकर सरकार की सराहना की थी। वांगचुक की धर्मेंद्र प्रधान के साथ फोटो भी है। जिसके कारण यह आंदोलन खड़ा होने के पहले ही एक तरह से बिखरने लगा। जंतर-मंतर में जिस तरह से इस आंदोलन को गति मिलनी चाहिए थी, वह नहीं मिल पाई। आंदोलनकारी दिल्ली पुलिस के पैरों में गिरकर गिड़िगडा रहे थे। राहुल गांधी और विपक्ष को जिस तरह से मीडिया द्वारा निशाने पर लिया गया। उससे सारे देश में एक संदेश गया। राहुल गांधी के नेतृत्व में एनएसयूआई कार्यकर्ता थे, पुलिस उन पर सख्ती कर रही थी। जो परीक्षा के पेपर लीक होने और शिक्षा व्यवस्था की कमियों को लेकर आंदोलन और प्रदर्शन कर रहे थे। जिस तरह से देश में राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी सरकार के लिए एक चुनौती बने हुए हैं। राहुल गांधी को निशाने पर रखकर सोनम वांगचुक को, अन्ना आंदोलन की तर्ज पर स्थापित करने की कोशिश की गई, वह कोशिश कामयाब होती हुई नहीं दिख रही है। भ्रष्टाचार आंदोलन को लेकर अन्ना आंदोलन से ठगे गए देश के करोड़ों लोग इस आंदोलन पर विश्वास नहीं कर पा रहे हैं। युवाओं के बीच में यह संदेश गया, आंदोलनकारी सरकार से लड़ने की बजाय सरकार से निवेदन कर रहे हैं। 18 दिन हो चुके, अभी तक केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफा की बात को लेकर कोई चर्चा नहीं हो रही है। शिक्षा नीति और पेपर लीक मामले में आंदोलनकारी और सरकार चुप्पी साधे हुए हैं। कॉकरोच जनता पार्टी अपना मंच छात्र नेताओं के साथ साझा नहीं कर रही है। ऐसी स्थिति में आंदोलन खड़ा होने के पहले ही बिखरता हुआ नजर आया है। सोनम वांगचुक के अनशन को खत्म कराने के लिए सारे विपक्षी दल उनसे निवेदन कर रहे हैं। वह अपना अनशन त्याग दें। राहुल गांधी और विपक्षी दलों के नेताओं ने भी मांगों को समर्थन देते हुए संसद में लड़ाई लड़ने की बात कही है। कांग्रेस पार्टी और उनके कार्यकर्ता पेपर लीक मामले में जगह-जगह प्रदर्शन कर रहे हैं। उनका आंदोलन थमा नहीं है। राहुल गांधी स्वयं छात्रों के पास जाकर उनकी बातों को सुन रहे हैं। छात्रों के साथ कोटा और देहरादून में जो संवाद होगा, उसके आधार पर वह संसद के मानसून सत्र में कांग्रेस सक्रिय रहेंगी। पत्रकारों, संपादकों और शिक्षाविदों के बीच वर्तमान आंदोलन पर एक राय जरूर बनती हुई दिख रही है। जिस तरह से भ्रष्टाचार के मामले में अन्ना आंदोलन खड़ा किया गया था। अन्ना आंदोलन से मनमोहन सरकार विदा हो केन्द्र में मोदी और दिल्ली में केजरीवाल की सरकार बन गई थी। पिछले कुछ वर्षों से राहुल गांधी एकमात्र ऐसे नेता हैं, जो वर्तमान मोदी सरकार के विरोध में खड़े हुए हैं। कॉकरोच पार्टी का यह आंदोलन, विपक्ष को समाप्त करने के लिए एक षड्यंत्र के तहत खड़ा किया जा रहा है? आंदोलन से जुड़े हुए जो लोग हैं, उनकी प्रतिबद्धता को देखते हुए विपक्षी दल इस मंच से दूरी बनाए हुए हैं। कहते हैं, दूध का जला छाछ भी फूंक-फूंक कर पीता है। कुछ यही स्थिति इस आंदोलन की होती हुई दिख रही है।

हाइड्रोजन ट्रेन,हरित भविष्य की ओर भारतीय रेल की ऐतिहासिक छलांग

लेखक- विनोद कुमार सिंह तकियावाला

भारतीय रेल केवल एक परिवहन व्यवस्था नहीं,बल्कि भारत की सामाजिक,आर्थिक और तकनीकी प्रगति का जीवंत इतिहास है। पिछले लगभग डेढ़ सौ वर्षों में इसने अनेक परिवर्तन देखे हैं। कभी भाप के इंजन भारतीय रेल की पहचान थे। उसके बाद डीजल इंजनों ने गति और शक्ति का नया अध्याय लिखा।फिर विद्युत इंजनों ने भारतीय रेल को आधुनिकता, दक्षता और ऊर्जा बचत की नई दिशा प्रदान की। सीमित स्तर पर सीएनजी आधारित प्रयोग भी हुए। अब भारतीय रेल एक और ऐतिहासिक पड़ाव पर पहुँच चुकी है।हरित हाइड्रोजन से संचालित देश की पहली ट्रेन भारत के परिवहन इतिहास में एक नई क्रांति का उद्घोष करने जा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हरियाणा के जींद से भारत की पहली हाइड्रोजन ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। यह केवल एक रेलगाड़ी का शुभारम्भ नहीं होगा,बल्कि विकसित भारत, हरित भारत और आत्मनिर्भर भारत के साझा संकल्प का साकार रूप होगा। देश के करोड़ों नागरिकों के साथ-साथ पर्यावरणविदों, वैज्ञानिकों और रेलवे परिवार के लिए भी यह गौरव का क्षण होगा।

भारतीय रेल का इतिहास बताता है कि हर नई तकनीक ने देश के विकास को नई गति दी है। भाप के इंजनों ने औद्योगिक युग की शुरुआत का साथ दिया। डीजल इंजनों ने लंबी दूरी की रेल सेवाओं को नई क्षमता प्रदान की। विद्युत इंजनों ने गति बढ़ाई, लागत घटाई और प्रदूषण कम किया। अब हाइड्रोजन इंजन उस यात्रा का अगला चरण है, जहाँ विकास और पर्यावरण संरक्षण साथ-साथ चलेंगे।हाइड्रोजन ट्रेन की सबसे बड़ी विशेषता इसका स्वच्छ और पर्यावरण-अनुकूल संचालन है।

भारतीय रेल का इतिहास बताता है कि हर नई तकनीक ने देश के विकास को नई गति दी है। भाप के इंजनों ने औद्योगिक युग की शुरुआत का साथ दिया। डीजल इंजनों ने लंबी दूरी की रेल सेवाओं को नई क्षमता प्रदान की। विद्युत इंजनों ने गति बढ़ाई, लागत घटाई और प्रदूषण कम किया। अब हाइड्रोजन इंजन उस यात्रा का अगला चरण है, जहाँ विकास और पर्यावरण संरक्षण साथ-साथ चलेंगे।हाइड्रोजन ट्रेन की सबसे बड़ी विशेषता इसका स्वच्छ और पर्यावरण-अनुकूल संचालन है। पारंपरिक डीजल इंजन जहाँ कार्बनडाइ ऑक्साइड,नाइट्रोजन ऑक्साइड और अन्य प्रदूषक गैसों का उत्सर्जन करते हैं, वहीं हाइड्रोजन ईंधन सेल आधारित ट्रेन के संचालन से मुख्य रूप से जलवाष्प निकलती है।अर्थात् ऊर्जा भी प्राप्त होगी और पर्यावरण भी सुरक्षित रहेगा। यही कारण है कि पूरी दुनिया हरित हाइड्रोजन को भविष्य का ईंधन मान रही है।भारत ने वर्ष 2070 तक नेट-ज़ीरो कार्बन उत्सर्जन का लक्ष्य निर्धारित किया है। इस लक्ष्य की प्राप्ति केवल उद्योगों या बिजली उत्पादन से संभव नहीं होगी,बल्कि परिवहन क्षेत्र में भी व्यापक बदलाव आवश्यक होंगे। भारतीय रेल पहले से ही विश्व की सबसे अधिक ऊर्जा-कुशल परिवहन प्रणालियों में शामिल है। अधिकांश रेलमार्गों का विद्युतीकरण, सौर ऊर्जा का विस्तार, ऊर्जा दक्ष स्टेशन और अब हाइड्रोजन ट्रेन—ये सभी प्रयास इस बात के प्रमाण हैं कि भारतीय रेल भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप स्वयं को निरंतर परिवर्तित कर रही है।

हरित हाइड्रोजन की अवधारणा केवल पर्यावरण तक सीमित नहीं है।यह ऊर्जा सुरक्षा का भी प्रश्न है। भारत अपनी पेट्रोलियम आवश्यकताओं का बड़ा हिस्सा आयात करता है।अंतरराष्ट्रीय बाज़ार में कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव का सीधा प्रभाव भारतीय अर्थव्यवस्था पर पड़ता है।यदि परिवहन क्षेत्र में हाइड्रोजन का उपयोग बढ़ता है, तो आयातित ईंधन पर निर्भरता कम होगी,विदेशी मुद्रा की बचत होगी और ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता मजबूत होगी । भारतीय रेल की यह परियोजना राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन के उद्देश्यों को भी नई गति प्रदान करेगी।यह मिशन भारत को हरित हाइड्रोजन उत्पादन और उपयोग के क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्व दिलाने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण पहल है।रेल जैसी विशाल परिवहन व्यवस्था में इस तकनीक का सफल प्रयोग अन्य क्षेत्रों के लिए भी प्रेरणा बनेगा।

हाइड्रोजन ट्रेन की तकनीक अत्यंत आधुनिक है।ईंधन सेल में संग्रहित हाइड्रोजन और वायु की ऑक्सीजन रासायनिक प्रक्रिया के माध्यम से विद्युत ऊर्जा उत्पन्न करती है।यही विद्युत मोटरों को संचालित करती है और ट्रेन आगे बढ़ती है।इस प्रक्रिया में धुआँ नहीं निकलता और शोर भी अपेक्षाकृत कम होता है। इसलिए यह तकनीक पर्यावरण के साथ-साथ यात्रियों के लिए भी अधिक अनुकूल मानी जाती है।

विश्व के कई विकसित देशों ने हाइड्रोजन आधारित रेल परिवहन की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति की है।जर्मनी,फ्रांस,इटली और चीन जैसे देशों में इस तकनीक पर निरंतर कार्य हो रहा है। भारत का इस दिशा में आगे बढ़ना इस बात का संकेत है कि देश केवल नई तकनीक का उपभोक्ता नहीं रहना चाहता, बल्कि भविष्य की प्रौद्योगिकी के विकास और निर्माण में भी अग्रणी भूमिका निभाने का इच्छुक है।यह उपलब्धि आत्मनिर्भर भारत अभियान की भावना को भी सशक्त बनाती है।भारतीय इंजीनियरों,वैज्ञानिकों और रेलवे के तकनीकी संस्थानों ने सीमित संसाधनों में जिस प्रकार इस परियोजना को आकार दिया है, वह देश की तकनीकी क्षमता का परिचायक है।भविष्य में यदि हाइड्रोजन ट्रेनों का व्यापक विस्तार होता है,तो भारत इस क्षेत्र में वैश्विक विनिर्माण और निर्यात केंद्र बनने की दिशा में भी आगे बढ़ सकता है।जींद से प्रारंभ होने वाली यह यात्रा केवल एक रेलमार्ग तक सीमित नहीं रहेगी। यह भविष्य में उन रेलखंडों के लिए नई संभावना लेकर आएगी, जहाँ पूर्ण विद्युतीकरण व्यावहारिक नहीं है या जहाँ पर्यावरण संरक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाती है। पर्वतीय क्षेत्रों,पर्यटन स्थलों और संवेदनशील पारिस्थितिक क्षेत्रों में हाइड्रोजन ट्रेनें एक उत्कृष्ट विकल्प बन सकती हैं।पर्यावरण संरक्षण के दृष्टिकोण से यह उपलब्धि अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। आज विश्व जलवायु परिवर्तन, बढ़ते तापमान और वायु प्रदूषण जैसी गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहा है।भारत के अनेक शहर प्रदूषण की समस्या से जूझ रहे हैं। ऐसे समय में यदि सार्वजनिक परिवहन स्वच्छ ऊर्जा की ओर बढ़ता है,तो उसका लाभ केवल रेलवे तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि समाज के प्रत्येक वर्ग को मिलेगा।स्वच्छ हवा, कम प्रदूषण और बेहतर स्वास्थ्य किसी भी विकसित राष्ट्र की पहचान होते हैं।निस्संदेह इस नई तकनीक के सामने चुनौतियाँ भी हैं। हाइड्रोजन उत्पादन,सुरक्षित भंडारण,परिवहन, ईंधन भरने की व्यवस्था और विशेष रखरखाव जैसी आवश्यकताओं पर व्यापक निवेश करना होगा। प्रारंभिक लागत भी अधिक होगी। लेकिन इतिहास साक्षी है कि हर नई तकनीक की शुरुआत कठिन होती है।जब भारत ने भाप से डीजल और डीजल से विद्युत इंजनों की ओर कदम बढ़ाया था,तब भी अनेक प्रश्न उठे थे।आज वही परिवर्तन भारतीय रेल की सबसे बड़ी शक्ति बन चुके हैं। हाइड्रोजन तकनीक भी आने वाले वर्षों में इसी प्रकार अपनी उपयोगिता सिद्ध करेगी।भारतीय रेल केवल पटरियों पर दौड़ने वाली गाड़ियों का नाम नहीं है।यह भारत की विकास यात्रा का प्रतीक है।हर नई तकनीक देश की आर्थिक शक्ति, वैज्ञानिक क्षमता और भविष्य की सोच को अभिव्यक्त करती है।हाइड्रोजन ट्रेन उसी दूरदृष्टि का परिणाम है, जिसमें विकास,पर्यावरण और आत्मनिर्भरता को एक साथ लेकर चलने का प्रयास दिखाई देता है।जींद से रवाना होने वाली यह ट्रेन केवल यात्रियों को उनके गंतव्य तक नहीं पहुँचाएगी,बल्कि भारत को स्वच्छ ऊर्जा,आधुनिक प्रौद्योगिकी और सतत विकास के नए युग की ओर भी अग्रसर करेगी। यह आने वाली पीढ़ियों के लिए एक ऐसा संदेश है कि विकास का मार्ग प्रकृति के साथ संघर्ष का नहीं, बल्कि उसके साथ सामंजस्य का होना चाहिए।भाप से डीजल, डीजल से विद्युत और अब हाइड्रोजन—भारतीय रेल की यह यात्रा वास्तव में भारत के बदलते स्वरूप की विकास गाथा है।यही कारण है कि भारत की पहली हाइड्रोजन ट्रेन केवल एक तकनीकी उपलब्धि नहीं,बल्कि विकसित भारत के आत्मविश्वास, वैज्ञानिक क्षमता और हरित भविष्य की सशक्त घोषणा है। आने वाले वर्षों में जब भारतीय रेल के इतिहास के स्वर्णिम अध्याय लिखे जाएँगे, तब जींद से आरम्भ हुई यह हरित यात्रा निश्चित रूप से एक मील का पत्थर मानी जाएगी।

दक्षिण अफ्रीका से दुनिया तक गूंजती इंसाफ की आवाज थे नेल्सन मंडेला

लेखक - योगेश कुमार गोयल

नेल्सन मंडेला, एक ऐसा नाम, जो समस्त विश्व समुदाय के लिए मानवता, साहस, सहिष्णुता और संघर्ष का प्रतीक बन गया है। प्रतिवर्ष 18 जुलाई को 'नेल्सन मंडेला अंतर्राष्ट्रीय दिवस' मनाया जाता है, जो न केवल इस महान नेता को श्रद्धांजलि देने का दिन है बल्कि यह पूरी दुनिया को यह संदेश भी देता है कि परिवर्तन लाने के लिए केवल शब्द नहीं बल्कि कर्म आवश्यक हैं। यह दिन हमें स्मरण करााता है कि समाज में बदलाव लाने के लिए हम सभी की भूमिका होती है और प्रत्येक व्यक्ति अपने जीवन में दूसरों के लिए कुछ कर सकता है। नेल्सन मंडेला का जन्म 18 जुलाई 1918 को दक्षिण अफ्रीका के म्वेजो नामक गांव में हुआ था। वे थेम्बू कुल की एक शाखा 'मदिवा' जनजाति से थे और उनका मूल नाम 'रोहिलाहला मंडेला' था, जिसका अर्थ होता है 'शरारती'। उन्हें 'नेल्सन' नाम उनके स्कूल शिक्षक ने अंग्रेजी नामों की परंपरा के तहत दिया था। उनका जीवन एक सामान्य अफ्रीकी बच्चे की तरह शुरू हुआ लेकिन उनके भीतर असाधारण नेतृत्व क्षमता और अन्याय के प्रति गहरी संवेदना थी, जिसने उन्हें बाद में एक क्रांतिकारी नेता बना दिया।

नेल्सन मंडेला की शिक्षा की शुरुआत क्लार्कबरी मिशनरी स्कूल से हुई। आगे की पढ़ाई के लिए उन्होंने फोर्ट हेयर यूनिवर्सिटी और जोहान्सबर्ग स्थित विटवाटरस्रैंड विश्वविद्यालय में दाखिला लिया, जहां उन्होंने कानून की पढ़ाई की। पढ़ाई के दौरान ही उन्होंने रंगभेद नीति और सामाजिक असमानताओं के विरुद्ध आवाज उठानी शुरू कर दी थी। दक्षिण अफ्रीका में उस समय श्वेत अल्पसंख्यक सरकार द्वारा 'अपरथाइड' नामक नस्लीय भेदभाव की क्रूर नीति लागू थी, जिसके अंतर्गत अश्वेतों को बुनियादी अधिकारों से वंचित रखा गया था। उन्हें वोट देने, जमीन रखने, शिक्षा प्राप्त करने, अस्पतालों में इलाज करवाने और बसों-रेस्तरां जैसी सार्वजनिक सेवाओं का समान उपयोग करने का अधिकार नहीं था। मंडेला ने इन्हीं अन्यायपूर्ण नीतियों के खिलाफ संघर्ष का बिगुल बजाया। वे 1944 में अफ्रीकन नेशनल कांग्रेस से जुड़ गए और जल्द ही संगठन के युवा विंग के संस्थापक बन गए। अहिंसा और शांतिपूर्ण आंदोलनों के जरिये उन्होंने सरकार पर दबाव बनाना शुरू किया लेकिन जब उन्हें लगा कि सरकार की दमनकारी नीति अहिंसात्मक विरोध को कुचलने पर आमादा है तो उन्होंने 'उमखोंतो वे सिजवे' नामक एक सशस्त्र संगठन की स्थापना की, जो दक्षिण अफ्रीका में क्रांति का आरंभ था।

1962 में मंडेला को गिरफ्तार कर लिया गया और उन पर देशद्रोह, हिंसा भड़काने और विदेशी सहायता प्राप्त करने के आरोप लगाए गए। उन्हें आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई और उन्होंने अपना अधिकांश समय कुख्यात रोबेन द्वीप की जेल में बिताया। यह सजा कुल 27 वर्षों की लंबी यातना बन गई परंतु जेल की कोठरी में रहते हुए भी मंडेला की आत्मा आजाद रही। वे न टूटे, न झुके और न डरे। जेल में उन्होंने पढ़ाई की, दूसरे कैदियों को शिक्षित किया और अपना संघर्ष जारी रखा। इस दौरान दक्षिण अफ्रीका और दुनियाभर में मंडेला की रिहाई की मांग उठने लगी। अंततः सरकार झुकी और 11 फरवरी 1990 को नेल्सन मंडेला को जेल से रिहा किया गया। यह क्षण इतिहास में आज भी जीवंत है, जब एक अश्वेत नेता, जिसे वर्षों तक आतंकवादी करार दिया गया था, अब स्वतंत्रता और न्याय का प्रतीक बन चुका था। रिहाई के बाद मंडेला ने अपने सभी विरोधियों को माफ कर दिया। उन्होंने न केवल अफ्रीकन नेशनल कांग्रेस को फिर से संगठित किया बल्कि देश को भी एकजुट किया। उन्होंने विभाजन नहीं बल्कि मेल-मिलाप की राजनीति की। उनकी इसी दूरदृष्टि और अहिंसा के पथ पर अडिग रहने की प्रेरणा ने दक्षिण अफ्रीका को नस्लीय संघर्ष से निकालकर लोकतंत्र की ओर अग्रसर किया।

दक्षिण अफ्रीका में 1994 में पहली बार बहुजातीय आम चुनाव आयोजित हुए, जिसमें हर नागरिक को मतदान का अधिकार मिला और परिणामस्वरूप नेल्सन मंडेला देश के पहले अश्वेत राष्ट्रपति बने। यह महज एक राजनीतिक जीत नहीं थी, यह एक युग परिवर्तन था। मंडेला ने अपने राष्ट्रपति काल में सुलह, सामाजिक समरसता और आर्थिक पुनर्निर्माण की नीति को अपनाया। उन्होंने जातीय द्वेष के बजाय सहयोग को बढ़ावा दिया। उन्होंने 'सत्य और मेलमिलाप आयोग' की स्थापना की, जहां पीड़ित और अपराधियों दोनों को एक साथ लाया गया ताकि सच्चाई सामने आ सके और समाज नई शुरुआत कर सके। नेल्सन मंडेला की सोच 'उबुन्टु' दर्शन से प्रभावित थी, जो अफ्रीकी संस्कृति में मानवीय संबंधों और सह-अस्तित्व की भावना को महत्व देती है। मंडेला ने यह दिखा दिया कि बदले की भावना से कोई देश नहीं बनता बल्कि माफी और मेल-मिलाप की भावना से स्थायी शांति संभव है।

उनके जीवन के योगदान को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान मिला। 1993 में उन्हें शांति का नोबेल पुरस्कार प्रदान किया गया। 1990 में उन्हें भारत सरकार ने 'भारत रत्न' से सम्मानित किया और वे यह सम्मान पाने वाले पहले विदेशी व्यक्ति बने। इसके अलावा उन्हें संयुक्त राष्ट्र, अमेरिका, रूस, फ्रांस जैसे अनेक देशों और संस्थाओं ने सर्वोच्च नागरिक सम्मान प्रदान किया। 2009 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 18 जुलाई को 'नेल्सन मंडेला अंतर्राष्ट्रीय दिवस' घोषित किया ताकि लोग उनके जीवन से प्रेरणा लेकर समाज के लिए स्वयं को समर्पित कर सकें। इस दिन दुनियाभर में सामाजिक सेवा, मानवाधिकार, शिक्षा, स्वास्थ्य और समानता से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। संयुक्त राष्ट्र का संदेश है कि हर व्यक्ति इस दिन कम से कम 67 मिनट समाजसेवा को समर्पित करे, जो मंडेला के सार्वजनिक जीवन के 67 वर्षों के प्रतीक हैं।

नेल्सन मंडेला का जीवन केवल दक्षिण अफ्रीका तक सीमित नहीं था। उन्होंने दुनिया को यह सिखाया कि सच्चे नेता वह होते हैं, जो अपने कष्टों को व्यक्तिगत नहीं मानते बल्कि उसे जनकल्याण की प्रेरणा बना देते हैं। उन्होंने यह भी दिखाया कि नेतृत्व का अर्थ अधिकार नहीं, जिम्मेदारी है। वे जब राष्ट्रपति बने तो केवल एक कार्यकाल तक सत्ता में रहे जबकि वे चाहते तो आजीवन शासन कर सकते थे पर उन्होंने सत्ता को साध्य नहीं, साधन माना। 5 दिसंबर 2013 को 95 वर्ष की आयु में नेल्सन मंडेला ने अंतिम सांस ली। उनके निधन पर पूरी दुनिया ने उन्हें श्रद्धांजलि दी। लाखों लोगों ने उन्हें 'दक्षिण अफ्रीका का गांधी' कहा तो कई लोगों ने उन्हें 'मानवता का प्रकाश स्तंभ' बताया। उनके सम्मान में कई देशों में राष्ट्रीय शोक घोषित किया गया। आज उनकी मूर्तियां, नाम पर बने संस्थान और उनके विचारों पर आधारित योजनाएं दुनियाभर में उनकी विरासत को जीवित रखे हुए हैं।

नेल्सन मंडेला का जीवन उन लोगों के लिए आदर्श है, जो दुनिया को बेहतर बनाना चाहते हैं। उनका जीवन संघर्षों का था लेकिन उन्होंने कभी भी अपने सिद्धांतों से समझौता नहीं किया। उन्होंने दिखाया कि किसी भी अन्याय के खिलाफ लड़ाई अहिंसा और नैतिक साहस से भी लड़ी जा सकती है। नेल्सन मंडेला ने कहा था, 'मैंने पाया कि साहस डर की अनुपस्थिति नहीं है बल्कि उस पर विजय पाना है। बहादुर वह नहीं होता, जो डरता नहीं है बल्कि वह होता है, जो डर को हराता है।' यह कथन आज के विश्व पर भी उतना ही लागू होता है, जितना उनके समय पर था। आज जब दुनिया असहिष्णुता, नस्लवाद, असमानता और युद्ध की चपेट में है, तब मंडेला जैसे नेताओं की सोच, दृष्टि और प्रेरणा पहले से कहीं अधिक जरूरी हो गई है। वे हमारे समय के ऐसे प्रेरणास्तंभ हैं, जो आने वाली पीढ़ियों को यह सिखाते रहेंगे कि अंधकार चाहे जितना भी गहरा क्यों न हो, एक मोमबत्ती उसे चीर सकती है। उनकी यह बात हमारे लिए मार्गदर्शक हो सकती है, 'एक अच्छा दिमाग और एक अच्छा दिल हमेशा एक विजयी संयोजन होता है।' इसलिए यदि हम आज भी दुनिया को बदलना चाहते हैं तो हमें अपने भीतर की मानवता, संवेदना और साहस को जगाना होगा, यही नेल्सन मंडेला को सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

यह सजा कुल 27 वर्षों की लंबी यातना बन गई परंतु जेल की कोठरी में रहते हुए भी मंडेला की आत्मा आजाद रही। वे न टूटे, न झुके और न डरे। जेल में उन्होंने पढ़ाई की, दूसरे कैदियों को शिक्षित किया और अपना संघर्ष जारी रखा। इस दौरान दक्षिण अफ्रीका और दुनियाभर में मंडेला की रिहाई की मांग उठने लगी।

फिल्म टॉक्सिक : ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स में नजर आयेंगे यश और कियारा

अभिनेता यश और कियारा आडवाणी की अपकमिंग फिल्म टॉक्सिकः ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस फिल्मक का पहला गाना तबाही खामोशी से शुरू होता है, और शायद यही इसकी सबसे बड़ी ताकत है। विशाल मिश्रा की आवाज़ और धुन इस इमोशनल खामोशी को और गहरा बना देती है, जहां हर नजऱ, हर ठहराव अपने आप में एक अनकही कहानी बन जाता है। इस गाने में यश और कियारा की केमिस्ट्री दर्शकों के दिलों को छू रही है, जहाँ उनके बीच का अजीब सा खिंचाव और अनकहा प्यार पर्दे पर जीवंत हो उठता है। पूरे म्यूज़िक वीडियो में यश और कियारा के बीच एक गहरा और रहस्यमय खिंचाव महसूस होता है। उनकी हर नजऱ में तड़प है, और हर खामोशी किसी लंबी बातचीत से भी ज़्यादा भारी लगती है। यहां बड़े-बड़े इज़हार नहीं हैं, बल्कि दिल को चुपचाप दबाकर रखने की एक मार्मिक कोशिश है, और यही इसे और ज़्यादा असरदार बना देता है। यह गाना उन भावनाओं को दर्शाता है जिन्हें व्यक्त करना मुश्किल होता है, लेकिन जो आंखों और इशारों में साफ झलकती हैं। तबाही कोई सामान्य रोमांटिक गाना नहीं है, बल्कि यह एक गहरी, उलझी हुई और अंतर्निहित प्रेम कहानी का परिचय देता है, जहाँ किरदार अपने जज़्बातों से जूझते नजर आते हैं। वीडियो का एक बेहद खास पल तब आता है, जब तारा सुतारिया का किरदार रेबेका, राया (यश) से पूछता है, क्या तुम खुद के अलावा किसी और से प्यार नहीं कर सकते? और राया बिना रुके जवाब देता है, बिलकुल नहीं। ऊपर से ये जवाब बहुत पक्का लगता है, जैसे उसे यकीन हो कि उसके दिल में किसी के लिए जगह ही नहीं है। लेकिन अगले ही पल ये यकीन खुद ब खुद टूटने लगता है।

कैमरा जैसे ही राया को कियारा की तरफ देखते हुए दिखाता है, शब्द बेकार हो जाते हैं। उसकी आंखें वह सब कुछ बयां कर देती हैं, जो वो खुद से भी छुपा रहा है। वो तड़प, वो झिझक, वो छुपी हुई नर्मी - ये सब मिलकर एक ऐसे इंसान की कहानी बताते हैं, जो अपने ही जज़्बातों से भाग रहा है, लेकिन उनसे बच नहीं पा रहा। यही अंदरूनी टकराव तबाही को इतना यादगार बनाता है। यह प्यार की वो कहानी नहीं है, जो खुलेआम कबूल की जाती है; ये वो प्यार है जिसे नकारा जाता है, दबाया जाता है, लेकिन फिर भी जो हर हाल में रास्ता निकाल ही लेता है। और शायद यही तबाही को बाकी सब से अलग बनाता है। यहां प्यार कोई नरम एहसास नहीं, बल्कि एक ऐसी ताकत है जो हर फैसले, हर ठहराव और हर नजऱ के पीछे चुपचाप अपना असर छोड़ जाती है।

वास्तविक ताकत कभी दिखावे में नहीं होती : हुमा कुरैशी

वास्तविक ताकत कभी दिखावे में नहीं होती, बल्कि धैर्य, प्रेम, संवेदनशीलता और बिना किसी अपेक्षा के दूसरों का साथ देने में होती है। ताजा पोस्ट में बॉलीवुड अभिनेत्री हुमा कुरैशी ने अपनी मां के द्वारा दिया गया यह भावुक संदेश शेयर किया है। उन्होंने बताया कि उनकी मां ने उन्हें जीवन का यह सबसे महत्वपूर्ण सबक सिखाया है। अभिनेत्री ने कहा कि यही सीख आज भी उनके जीवन का आधार है और हर निर्णय में उनका मार्गदर्शन करती है। हुमा कुरैशी हाल ही में एक पेड़ मां के नाम अभियान से जुड़ीं और अपनी मां के सम्मान में एक पौधा लगाया। इस अवसर की तस्वीरें उन्होंने सोशल मीडिया पर साझा करते हुए लिखा कि यह केवल पौधारोपण नहीं, बल्कि अपनी मां के प्रति आभार व्यक्त करने का एक भावनात्मक माध्यम है। उन्होंने कहा कि मां के नाम लगाया गया यह पौधा समय के साथ बढ़ेगा और उनके प्रति प्रेम तथा सम्मान का प्रतीक बना रहेगा। अपने संदेश में उन्होंने लिखा कि उनके जीवन की सबसे मजबूत महिला उनकी मां हैं, जिन्होंने उन्हें सिखाया कि सच्ची शक्ति शांत स्वभाव, धैर्य और निस्वार्थ भाव से दूसरों के लिए समर्पित रहने में होती है। यही कारण है कि यह अभियान उनके दिल के बेहद करीब है। अभिनेत्री ने आगे लिखा कि कभी-कभी धन्यवाद जैसे शब्द भी मां के प्रति अपनी भावनाओं को पूरी तरह व्यक्त करने के लिए पर्याप्त नहीं होते। ऐसे में मां के नाम एक पौधा लगाना ऐसा उपहार है, जो हर मौसम के साथ बढ़ता है और प्रकृति के माध्यम से प्रेम तथा कृतज्ञता का संदेश देता रहता है। उनके अनुसार, यह पहल केवल पर्यावरण संरक्षण का अभियान नहीं, बल्कि भावनात्मक रिश्तों को प्रकृति से जोडऩे का भी माध्यम है। हुमा कुरैशी ने पर्यावरण संरक्षण की आवश्यकता पर भी जोर दिया। उन्होंने बताया कि इस मानसून के दौरान उत्तर प्रदेश में बड़े स्तर पर पौधारोपण अभियान चलाया जा रहा है, जिसके तहत 35 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

उन्होंने कहा कि हरियाली बढ़ाने के साथ-साथ स्वच्छ नदियों का संरक्षण, सौर ऊर्जा को बढ़ावा, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को प्रोत्साहन और किसानों को हरित पहल से जोडऩा भी पर्यावरण संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। अभिनेत्री ने लोगों से अपील की कि वे अपनी मां के नाम एक पौधा अवश्य लगाएं और उसकी देखभाल उसी समर्पण के साथ करें, जिस तरह एक मां अपने बच्चों का पालन-पोषण करती है। उनका मानना है कि प्रकृति और मातृत्व, दोनों जीवन देने और उसे संवारने का कार्य करते हैं, इसलिए दोनों का सम्मान करना प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेदारी है। गौरतलब है कि एक पेड़ मां के नाम अभियान की शुरुआत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पर्यावरण संरक्षण और लोगों को प्रकृति से जोडऩे के उद्देश्य से की थी। इस पहल के माध्यम से लोगों को अपनी मां के सम्मान में पौधारोपण करने और पर्यावरण संरक्षण में सक्रिय भागीदारी निभाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

प्रियंका चोपड़ा और लारा दत्ता फिर नजर आई एकसाथ

बॉलीवुड की चर्चित अभिनेत्रियां प्रियंका चोपड़ा और लारा दत्ता की हालिया मुलाकात की तस्वीरें तेजी से वायरल हो रही हैं। सोशल मीडिया पर लारा दत्ता ने इस खास मुलाकात की झलक साझा करते हुए बताया कि समय बीतने के बावजूद उनकी दोस्ती आज भी पहले जैसी मजबूत और आत्मीय बनी हुई है। इन तस्वीरों ने उनकी करीब 26 साल पुरानी दोस्ती की यादें ताजा कर दी हैं। लारा दत्ता ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर प्रियंका चोपड़ा के साथ एक तस्वीर साझा की, जिसमें दोनों मुस्कुराते हुए कैमरे के सामने पोज देती नजर आ रही हैं। तस्वीर के साथ उन्होंने लिखा, 26 साल बाद भी, खुश लड़कियां अभी भीज् और दिल वाला इमोजी भी साझा किया। वहीं प्रियंका चोपड़ा ने भी अपनी सोशल मीडिया स्टोरी पर यही तस्वीर साझा करते हुए लिखा, अपनी लडक़ी से मिलकर बहुत अच्छा लगा। दोनों के संदेशों ने उनके बीच गहरे रिश्ते और वर्षों पुरानी दोस्ती की झलक दिखाई।

तस्वीरों में प्रियंका चोपड़ा सफेद रंग की आकर्षक पोशाक में नजर आईं, जबकि लारा दत्ता नीले रंग की ड्रेस, सफेद श्रग और हैट में दिखाई दीं। दोनों का स्टाइलिश अंदाज भी प्रशंसकों को खूब पसंद आया। सोशल मीडिया पर फैंस ने उनकी तस्वीरों पर बड़ी संख्या में प्रतिक्रिया देते हुए उनकी दोस्ती की सराहना की। कई लोगों ने लिखा कि समय बदल सकता है, लेकिन सच्ची दोस्ती हमेशा कायम रहती है। प्रियंका चोपड़ा और लारा दत्ता की दोस्ती की शुरुआत वर्ष 2000 से मानी जाती है, जब दोनों ने अंतरराष्ट्रीय सौंदर्य प्रतियोगिताओं में भारत का नाम रोशन किया था। प्रियंका चोपड़ा ने उसी वर्ष मिस वर्ल्ड का खिताब जीता था, जबकि लारा दत्ता मिस यूनिवर्स बनी थीं। इन उपलब्धियों के बाद दोनों ने बॉलीवुड में कदम रखा और अपनी प्रतिभा तथा मेहनत के दम पर फिल्म उद्योग में अलग पहचान बनाई। दोनों अभिनेत्रियां फिल्मों में भी साथ काम कर चुकी हैं। वर्ष 2003 में रिलीज हुई फिल्म अंदाज में दोनों पहली बार एक साथ बड़े पर्दे पर दिखाई दीं।

इस फिल्म में अक्षय कुमार भी मुख्य भूमिका में थे और यह फिल्म प्रियंका तथा लारा, दोनों के शुरुआती करियर के लिए अहम साबित हुई। इसके बाद वर्ष 2011 में दोनों फिल्म डॉन 2 में भी साथ नजर आईं। फिल्म में प्रियंका ने रोमा की भूमिका निभाई थी, जबकि लारा दत्ता विशेष भूमिका में दिखाई दी थीं। हाल ही में प्रियंका चोपड़ा और लारा दत्ता विंबलडन टेनिस चैंपियनशिप के दौरान भी चर्चा में रहीं। दोनों अलग-अलग अवसरों पर टूर्नामेंट का आनंद लेती दिखाई दीं। व्यस्त पेशेवर जीवन के बावजूद उनकी यह मुलाकात इस बात का प्रमाण है कि वर्षों पुरानी दोस्ती आज भी उतनी ही मजबूत है।

फिल्म दुल्हनिया ले आएगी में नजर आएंगे जमशेदपुर के विवेक-निचिता

जमशेदपुर की प्रतिभा अब बॉलीवुड के बड़े पर्दे पर चमकती नजर आएगी। परसुडीह सरजामदा के कलाकार विवेक उपाध्याय और उनकी पत्नी निचिता उपाध्याय अब बॉलीवुड के बड़े पर्दे पर अपनी प्रतिभा का जलवा बिखेरेंगे। दोनों हिंदी फिल्म दुल्हनिया ले आएगी में नजर आएंगे। यह फिल्म 24 जुलाई को देशभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म में निचिता उपाध्याय अभिनेत्री खुशहाली कुमार की चाची की भूमिका निभा रही हैं, जबकि विवेक उपाध्याय एक पुलिस अधिकारी के किरदार में नजर आएंगे। कहानी में वे एसीपी की भूमिका निभा रहे अभिनेता पीयूष मिश्रा के साथ लापता दूल्हे की तलाश में अहम भूमिका निभाते दिखाई देंगे।

फिल्म में महेश मांजरेकर, पीयूष मिश्रा, खुशहाली कुमार और 'बीसी आंटी' के नाम से लोकप्रिय स्नेहिल दीक्षित प्रमुख भूमिकाओं में हैं। फिल्म भारतीय शादियों की रंगीन परंपराओं, रिश्तों की जटिलताओं, प्रेम, हास्य और भावनात्मक पलों को मनोरंजक अंदाज में प्रस्तुत करती है। दर्शकों को इसमें रोमांच, पारिवारिक मूल्यों और अप्रत्याशित घटनाक्रम का अनूठा संगम देखने को मिलेगा। फिल्म का निर्देशन आकाशादित्य लामा ने किया है, जबकि इसकी कहानी जयंत गुप्ता ने लिखी है। स्थानीय कलाकारों की मौजूदगी से जमशेदपुर के फिल्म प्रेमियों में उत्साह है। शहरवासियों को उम्मीद है कि विवेक और निचिता का अभिनय न केवल दर्शकों का दिल जीतेगा, बल्कि जमशेदपुर की प्रतिभा को भी राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाएगा।

नासिक में बना भारत का पहला फिल्म स्टूडियो, फाल्के साहब ने की थी फिल्म शूटिंग

आज जब हम भारतीय सिनेमा यानी बॉलीवुड की बात करते हैं, तो हमारे दिमाग में मुंबई की चकाचौंध, गोरेगांव की फिल्म सिटी और बड़े-बड़े आलीशान स्टूडियोज की तस्वीरें घूमने लगती हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि जिस भारतीय सिनेमा का टर्नओवर आज अरबों-खरबों का है और जिसकी फिल्में पूरी दुनिया में तहलका मचाती हैं, उसके पहले स्टूडियो की नींव कहां रखी गई थी? जब हम भारत के पहले फिल्म स्टूडियो की बात करते हैं, तो इतिहास के पन्नों में सबसे गर्वित नाम 'भारतीय सिनेमा के पितामह' दादा साहेब फाल्के का आता है। उन्होंने न केवल भारत की पहली फीचर फिल्म बनाई, बल्कि देश को पहला पेशेवर फिल्म स्टूडियो भी दिया। आम तौर पर लोग समझते हैं कि फिल्मों की शुरुआत मुंबई या कोलकाता से हुई होगी। भारत का पहला पूर्ण विकसित और संगठित फिल्म स्टूडियो महाराष्ट्र के नासिक में खुला था। दादा साहेब फाल्के जिनका असली नाम धुंडीराज गोविंद फाल्के था। उन्होंने अपनी पहली मूक फिल्म साल 1913 में राजा हरिश्चंद्र के निर्माण के लिए शुरुआत में फाल्के फिल्म्स कंपनी की स्थापना की थी। उस समय यह कोई भव्य इमारत या सर्वसुविधायुक्त स्टूडियो नहीं था। फिल्म बनाने के लिए दादा साहेब ने मुंबई के दादर में स्थित मथुरा भवन बंगला किराए पर लिया था और उसके कंपाउंड में एक छोटा सा ग्लास रूम और डार्क रूम तैयार किया था। उन्होंने अपने घर और आस-पास के बगीचों को ही सेट के रूप में इस्तेमाल किया। फिल्म की प्रोसेसिंग से लेकर एडिटिंग तक का सारा काम इसी अस्थाई सेटअप में उनकी पत्नी सरस्वतीबाई फाल्के की मदद से होता था। लेकिन सही मायने में एक संगठित और बड़े स्तर के नियमित स्टूडियो की शुरुआत साल 1917 में हुई, जब उन्होंने नासिक में हिंदुस्तान सिनेमा फिल्म कंपनी की नींव रखी। यह ही भारत का पहला नियमित और पूर्ण विकसित फिल्म स्टूडियो माना जाता है।

इस ऐतिहासिक स्टूडियो की स्थापना के पीछे भी एक बेहद दिलचस्प कहानी है। साल 1917 में आई दादा साहेब फाल्के की फिल्म लंका दहन ने बॉक्स ऑफिस पर सफलता के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए थे। इस ऐतिहासिक सफलता को देखकर मुंबई के पांच बड़े कपड़ा मिल मालिक और उद्योगपति दादा साहेब के पास आए। उन्होंने दादा साहेब के सामने पार्टनरशिप का प्रस्ताव रखा। इस तरह 1 जनवरी 1918 को फाल्के फिल्म्स कंपनी को आधिकारिक तौर पर हिंदुस्तान सिनेमा फिल्म कंपनी में बदल दिया गया और नासिक में एक विशाल स्टूडियो बनाया गया। इसी नासिक वाले स्टूडियो में दादा साहेब फाल्के ने श्री कृष्ण जन्म (1918) और कालिया मर्दन (1919) जैसी कई ऐतिहासिक और ब्लॉकबस्टर फिल्मों की शूटिंग की। इन फिल्मों में उनकी बेटी मंदाकिनी अठावले ने बाल कृष्ण की भूमिका निभाई थी, जिन्हें भारत की पहली बाल कलाकार माना जाता है। यह स्टूडियो केवल फिल्में बनाने की जगह नहीं थी, बल्कि यह भारत का पहला ऐसा संस्थान भी था जहां युवाओं को फिल्म मेकिंग, कैमरा संचालन, एक्टिंग और फिल्म प्रोसेसिंग की बकायदा ट्रेनिंग दी जाती थी। बाद में बजट और क्रिएटिव कंट्रोल को लेकर दादा साहेब और उनके पार्टनर्स के बीच मतभेद हो गए, जिसके कारण उन्होंने कुछ समय के लिए इससे दूरी बना ली, लेकिन इतिहास के पन्नों में नासिक का यह स्टूडियो हमेशा के लिए अमर हो गया।

1917 में बनी फिल्म लंका दहन ने बॉक्स ऑफिस पर सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए थे

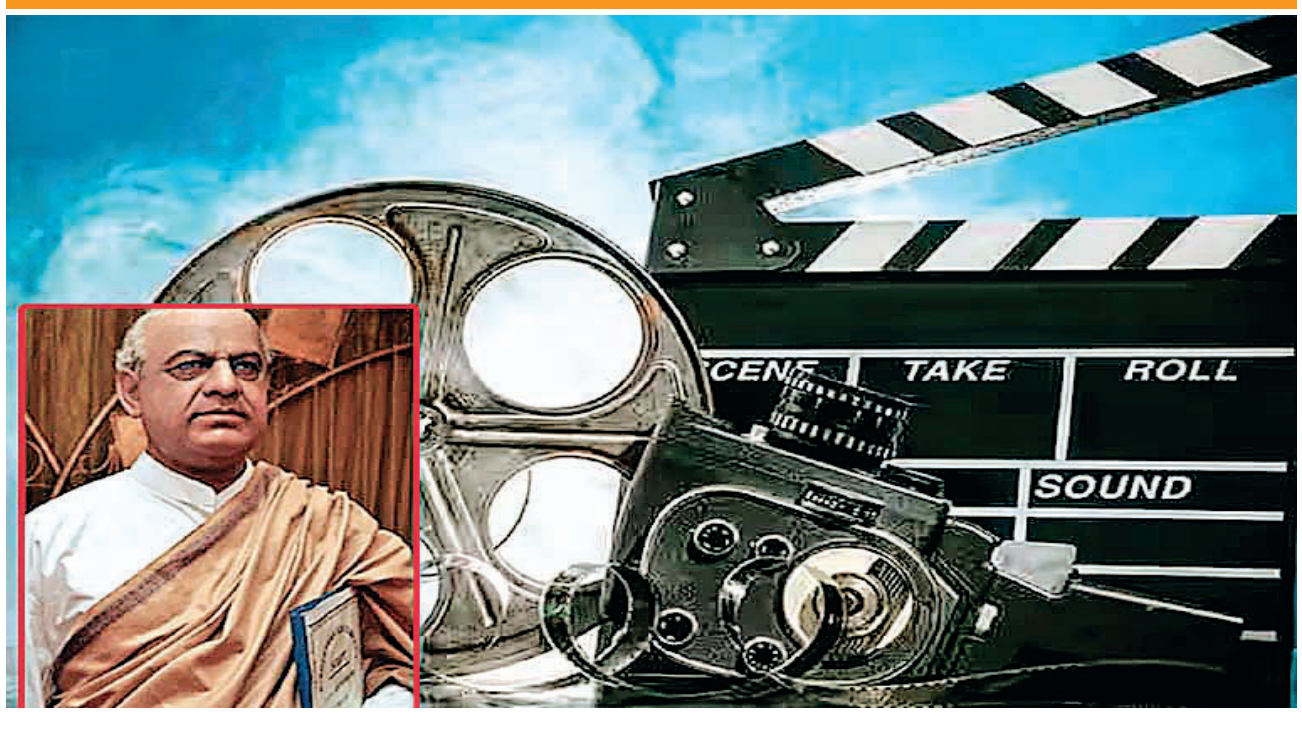

न्यूज ब्रीफ

फीफा विश्वकप 2026 फाइनल से पहले धोनी की एकदशक पुरानी पोस्ट छायी

मुम्बई। अर्जेंटीना और स्पेन के बीच 19 जुलाई को होने वाले फीफा विश्वकप फुटबॉल के खिताबी मुकाबले से ठीक पहले भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी की एक दशक पुरानी सोशल मीडिया पोस्ट अचानक ही वायरल होने लगी है। यह पोस्ट जून 2016 की है, जब धोनी जिम्बाब्वे दौरे पर थे। इसमें वे मनदीप सिंह, जयदेव उनादकट, अक्षर पटेल और करुण नायर के साथ नजर आ रहे थे। इस तस्वीर में साफ देखा जा सकता है कि धोनी अपने साथियों के साथ प्ले स्टेशन पर फीफा गेम खेल रहे हैं, और इस इसमें उन्होंने लिखा था स्पेन बनाम अर्जेंटीना। इसी वजह से धोनी की वह पोस्ट रातों-रात चर्चा का विषय बन गयी है। इसमें कहा जा रहा था कि धोनी को तभी ये अंदाजा हो गया था कि एक दिन इन दोनो टीमों के बीच खिताबी मुकाबला होगा। धोनी का यह वायरल पोस्ट जिस ऐतिहासिक मुकाबले की ओर इशारा कर रहा था, वह अब वास्तविकता बनने जा रहा है। फीफा विश्व कप 2026 में अर्जेंटीना डिफेंडिंग चैंपियन के तौर पर मैदान में उतरेगा और उसका लक्ष्य स्पेन को हराकर एक बार फिर खिताब जीतना रहेगा।

2027 एकदिवसीय विश्व कप को देखते हुए कुलदीप को लगातार अवसर दें : अश्विन

चेन्नई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व स्पिनर आर अश्विन ने कहा है कि बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव आगामी 2027 एकदिवसीय विश्वकप में उपयोगी हो सकते हैं। ऐसे में उन्हें अधिक से अधिक अवसर दिये जाने की जरुरत है। अश्विन ने स्पष्ट किया कि 2027 विश्व कप के संयोजन में अंगुली के दो ऑलराउंडर फिट नहीं बैठेंगे। ऐसे में टीम को कुलदीप की जरुरत रहेगी उन्होंने भविष्य की रणनीति को लेकर कहा, जब भी कुलदीप के लिए जगह बनेगी, और अगर तेज गेंदबाज हर्षित राणा फिट और अच्छी फॉर्म में होंगे, तो हर्षित राणा तीसरे तेज गेंदबाज बन जाएंगे। ऐसे में कुलदीप के लिए एक अवसर बन जाएगा। अश्विन ने कहा कि कुलदीप को इसलिए भी टीम में बनाये रखा जाना चाहिये क्योंकि एक मैच विजेता ले स्पिनर हैं। उन्होंने कहा कि 2023 एकदिवसयी विश्व कप में भी कुलदीप ने काफी अच्छी गेंदबाजी की थी। वह किसी भी चरण में गेंदबाजी कर सकते हैं, साथ ही उनका दक्षिण अफ्रीका में भी रिकॉर्ड अच्छा है। अश्विन ने कुलदीप के आत्मविश्वास के स्तर को लेकर भी निराशा व्यक्त की। उन्होंने कहा कि वर्तमान टीम प्रबंधन ने कुलदीप को पर्याप्त अवसर नहीं दिये है।

रोहित तीसरे एकदिवसीय के बाद टीम से बाहर होंगे : रिपोर्ट

लंदन। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा का एकदिवसीय करियर समाप्त होना तय नजर आ रहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले तीसरे एकदिवसीय के बाद उन्हें टीम में आगे जगह नहीं मिलेगी। ऐस में ये भी हो सकता है कि रोहित इस मैच के बाद संन्यास की घोषणा कर दें। इसी सीरीज में हुए दोनो मैचों में रोहित बड़ी पारी नहीं खेल पाये हैं। ऐसे में उन्हें 2027 एकदिवसीय विश्वकप के लिए टीम में शामिल किये जाने की कोई संभावना नहीं है। माना जा रहा है कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की चयन समिति विश्वकप के लिए युवा प्रतिभाओं को ही अवसर देना चाहती है। ऐसे में 39 के रोहित को विश्वप के लिए अवसर मिलने की संभावना नहीं है। सूत्रों के अनुसार, चयनकर्ताओं ने तय कर लिया है कि वे अब रोहित को एकदिवसीय टीम में अधिक अवसर नहीं देंगे। उन्हें यह संदेश दिया जा सकता है कि यदि वे सम्मानजनक तरीके से संन्यास लेना चाहते हैं, तो यह उनका निजी निर्णय होगा, अन्यथा उन्हें टीम से हटा दिया जाएगा। चयनकर्ताओं का मानना है कि दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में होने वाले 2027 विश्व कप की तैयारी के लिए युवा सलामी यशस्वी जायसवाल को पर्याप्त अवसर मिलें। माना जा रहा है कि इस फैसले के पीछे रोहित की हालिया फॉर्म एक बड़ी वजह है। इंग्लैंड के खिलाफ सोफिया गार्डन्स में दूसरे वनडे में उनकी 26 रनों की संघर्षपूर्ण पारी ने इन चिंताओं को और गहरा किया है।

फीफा विश्व कप : तीसरे स्थान के लिए फ्रांस और इंग्लैंड की प्रतिष्ठा की जंग, कांस्य पदक पर होगी नजर

मियामी ● एजेंसी

फीफा विश्व कप 2026 में तीसरे स्थान के लिए होने वाला प्ले-ऑफ मुकाबला रविवार, 19 जुलाई को भारतीय समयानुसार तडक़े 2:30 बजे खेला जाएगा। इस मुकाबले में दो यूरोपीय फुटबॉल महाशक्तियां फ्रांस और इंग्लैंड आमने-सामने होंगी। दोनों टीमें सेमीफाइनल में हार के बाद अब जीत के साथ अपने अभियान का समापन करने और कांस्य पदक हासिल करने के इरादे से मैदान में उतरेंगी। मुकाबला अमेरिका के मियामी स्थित मियामी स्टेडियम (हार्ड रॉक स्टेडियम) में खेला जाएगा।

फ्रांस को सेमीफाइनल में स्पेन के हाथों 0-2 से हार का सामना करना पड़ा था। इसके साथ ही लगातार तीसरी बार विश्व कप फाइनल में पहुंचने का उसका सपना टूट गया। दूसरी ओर इंग्लैंड को गत चैंपियन अर्जेंटीना के खिलाफ 2-1 की रोमांचक हार झेलनी पड़ी, जिसमें अंतिम क्षणों में मैच का पासा पलट गया। अब दोनों टीमें तीसरे स्थान के मुकाबले में अपनी प्रतिष्ठा बचाने की कोशिश करेंगी। फ्रांस के पास किलियन एमबाप्पे, उस्मान डेम्बेले और माइकल ओलीसे जैसे स्टार खिलाड़ी हैं, जबकि इंग्लैंड की उम्मीदें हैरी केन, एंथनी गॉर्डन और जूड बेलिंगहैम जैसे खिलाडिय़ों पर टिकी रहेंगी। दोनों टीमों के बीच मुकाबला तेज गति, आक्रामक फुटबॉल और रणनीतिक खेल के लिए जाना जाता है, इसलिए प्रशंसकों को एक रोमांचक मैच देखने की उम्मीद है।

हालांकि तीसरे स्थान का मुकाबला विश्व कप ट्रॉफी जितना महत्वपूर्ण नहीं

माना जाता, फिर भी यह दोनों टीमों के लिए सम्मान बचाने और सकारात्मक परिणाम के साथ टूर्नामेंट समाप्त करने का अवसर होगा। यह मुकाबला युवा खिलाडिय़ों को खुद को साबित करने और टीम प्रबंधन को भविष्य की योजनाओं का आकलन करने का भी मौका देगा। कई विशेषज्ञों का मानना है कि दोनों टीमें अपनी मजबूत प्लेइंग इलेवन के साथ उतर सकती हैं ताकि विश्व कप अभियान का समापन जीत के साथ किया जा सके। इस मुकाबले के बाद विश्व कप का फाइनल 20 जुलाई (भारतीय समयानुसार) स्पेन और अर्जेंटीना के बीच खेला जाएगा। ऐसे में तीसरे स्थान का यह प्ले-ऑफ भी फुटबॉल प्रेमियों के लिए किसी बड़े फाइनल से कम नहीं माना जा रहा है, क्योंकि इसमें दो विश्व स्तरीय टीमें सम्मान और कांस्य पदक के लिए पूरा दमखम लगाती नजर आएंगी।

फ्रांस और इंग्लैंड दोनों सेमीफाइनल में हार के बाद तीसरे स्थान के लिए उतरेंगे, इसलिए दोनों टीमों में कुछ बदलाव देखने को मिल सकते हैं। उपलब्ध टीम समाचार और हालिया मैचों के आधार पर संभावित प्लेइंग इलेवन इस प्रकार हो सकती है:

फ्रांस (संभावित) - 4-2-3-1
गोलकीपरः माइक मेन्यां
डिफेंडरः जूल्स कुंडे, इब्राहिमा कोनाते, मैक्सेंस लाक्रोआ, थियो हर्नांडिज़
मिडफील्डर : मानु कोने, वॉरेन ज़ैरे-एमरी
अटैकिंग मिडफील्डर : रायान शेरकी, माइकल ओलीसे, देजऱि दूए

स्ट्राइकर : किलियन एम्बाप्पे

फ्रांस के नियमित सेंटर-बैक विलियम सालिबा पीठ की चोट के कारण उपलब्ध नहीं हो सकते हैं, जबकि कोच दिदिए देशां कुछ युवा खिलाडिय़ों को मौका दे सकते हैं।

इंग्लैंड (संभावित) - 4-2-3-1
गोलकीपर : जॉर्डन पिकफोर्ड
डिफेंडरः जेड स्पेंस, जॉन स्टोन्स, मार्क गुएही, निको ओराइली
मिडफील्डरः डेक्लन राइस, इलियट एंडरसन
अटैकिंग मिडफील्डर : जूड बेलिंघम, मॉर्गन रोजर्स, एंथनी गॉर्डन

स्ट्राइकरः हैरी केन

रीस जेम्स सेमीफाइनल में चोटिल हुए थे, इसलिए उनके इस मुकाबले में खेलने की संभावना कम मानी जा रही है।
दोनों टीमों के पास विश्वस्तरीय आक्रमण है। फ्रांस की उम्मीदें किलियन एम्बाप्पे पर रहेंगी, जबकि इंग्लैंड के लिए हैरी केन और जूड बेलिंघम सबसे अहम खिलाड़ी होंगे। हालांकि तीसरे स्थान के मैच में अंतिम एकादश मैच से ठीक पहले घोषित की जाएगी, इसलिए इसमें बदलाव संभव हैं।

टी20 प्रारुप में भारतीय टीम के खराब प्रदर्शन को लेकर डिविलियर्स ने चिन्ता जतायी

बोले आईपीएल सितारों को जमीनी हकीकत समझनी होगी

जोहांबर्ग ● एजेंसी

दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान एबी डिविलियर्स ने कहा है कि आईपीएल के सितारों को जमीनी हकीकत समझने की जरुरत है। डिविलियर्स ने टी20 प्रारुप में भारतीय टीम के गिरते हुए प्रदर्शन को लेकर ये बात ही है। डिविलियर्स ने कहा कि आईपीएल में धमाकेदार पारियां खेलने वालों को ये समझना चाहिये कि लीग और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के स्तर में काफी अंतर होता है। उन्होंने किसी खिलाड़ी का नाम लिए बिना कहा कि आईपीएल में रनों का पहाड़ बनाने वाले खिलाडिय़ों को अब जमीन पर वापस आने की जरूरत है। माना जा रहा है कि उनका संकेत आईपीएल में सबसे अधिक रन बनाने वाले वैभव सूर्यवंशी की ओर था। डिविलियर्स ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट हर समय पांचवें गियर में खेलने का खेल नहीं है क्योंकि यहां कमजोर गेंदबाज नहीं मिलते, बल्कि हर प्रतिद्वंद्वी विश्व स्तरीय होता है। डिविलियर्स ने जोर दिया कि बल्लेबाजों को हालातों के अनुकूल ढलते हुए एक या दो से अधिक गियर में खेलना आना चाहिए। उनके अनुसार भारतीय टीम को आयरलैंड और इंग्लैंड से मिली हार को देखते हुए अब संभल जाना चाहिये। वहीं भारतीय टीम की हार के बाद से ही मुख्य कोच गौतम गंभीर की रणनीति पर भी सवाल उठ रहे हैं। ये कहा जा रहा है कि जिस प्रकार से वह टीम में लगातार बदलाव करते हैं वह टीम को नुकसान पहुंचा रहा है। वहीं डिविलियर्स का मानना है कि केवल कोच को जिम्मेदार ठहराना ठीक नहीं, बल्कि मैदान पर उतरने वाले खिलाडिय़ों को भी अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। भारतीय प्रशंसकों

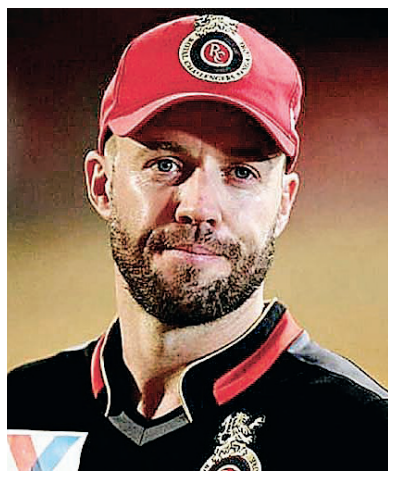

को सांत्वना देते हुए डिविलियर्स ने धैर्य रखने की अपील की है, क्योंकि टीम इस समय एक बड़े बदलाव के दौर से गुजर रही है। 2024 में टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले चुके विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे दिग्गजों की जगह रातों-रात नहीं ली जा सकती। इसके अलावा, जसप्रीत बुमराह जैसे विश्व स्तरीय गेंदबाज के कार्यभार को प्रबंधित करने के कारण द्विपक्षीय सीरीज में अक्सर गेंदबाजी आक्रमण अनुभवहीन दिखता है

नशे में होने के बाद भी सोबर्स सहित इन दिग्गजों ने बनाये हैं कई रिकार्ड

मुंबई ● एजेंसी

हाल के दिनों में जिस प्रकार से इंग्लैंड के पूर्व कप्तान बेन स्टोक्स को नाइट क्लबा विवाद के बाद संन्यास पर मजबूर होना पड़ा वैसा पहले के समय के क्रिकेटरों के मामले में नहीं था। इसका कारण है कि आज काफी सख्त नियम हैं और खिलाडिय़ों की फिटनेस पर काफी ध्यान दिया जाता है। ऐसे में कोई खिलाड़ी देर रात तक बाहर रहने या शराब पीने के बारे में सोच भी नहीं सकता। वहीं पहले के दौर में इस प्रकार के सख्त नियम नहीं थे। तब महान ऑलराउंडर गैरी सोबर्स सहित कुछ खिलाडिय़ों के लिए मैदान का अनुशासन उसके बाद के समय से नहीं जुड़ा था। ऐसे में वे रातभर बीच महफिलें सजाते और अगली सुबह भारी सिर व लडख़ड़ाते कदमों के साथ मैदान पर उतरकर ऐसा करिश्मा कर जाते थे कि दर्शक हैरान रह जाते थे।

पार्टी के सबसे अधिक शौकीन वेस्टइंडीज के महानतम ऑलराउंडर गैरी सोबर्स थे। साल 1973 के लॉर्ड्स टेस्ट का एक बेहद मशहूर किस्सा उनसे जुड़ा है। इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट मैच चल रहा था, लेकिन खेल खत्म होते ही सोबर्स सीधे किसी नाइट क्लब की ओर निकल पड़े। पूरी रात शराब के दौर चले और वह सुबह तडक़े होटल लौटे। नींद पूरी होना तो दूर, वह ठीक से खड़े भी नहीं हो पा रहे थे। जब वह मैदान पर पहुंचे, तो वेस्टइंडीज की बल्लेबाजी चल रही थी। कप्तान रोहन कन्हाई के आउट होने के बाद जब सोबर्स क्रीज पर पहुंचे, तो उनकी हालत बेहद खराब थी। उन्हें गेंदें सही से दिखाई नहीं दे रही थीं और पेट दर्द से वह

बेहाल थे। लेकिन अपनी अद्भुत प्रतिभा के दम पर वे खेलते रहे और देखते ही देखते शतक के करीब पहुंच गए। उन्होंने 150 रनों की बड़ी पारी खेलकर वेस्टइंडीज को मैच में एक पारी और 226 रनों से जीत दिलायी।

सोबर्स ने इससे पहले 1968 में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर अपनी महिला मित्र के साथ होटल चले गये। दूसरे दिन वह सीधे ही स्टेडियम पहुंचे और बल्लेबाजी के लिए उतर गये। उन्होंने 113 मिनट में तेजी से 132 रन बना दिये। साल 1958-59 के भारत दौरे पर भी उन्होंने रात के दो बजे तक शराब पीने के बाद अगले दिन पांच घंटे तक बल्लेबाजी करते हुए 198 रन बना दिये। सोबर्स ही नहीं दक्षिण अफ्रीका के विस्फोटक ओपनर हर्शल गिब्स भी इसी प्रकार के खिलाड़ी थी। अपनी आत्मकथा में गिब्स ने माना है कि उन्होंने अपने करियर के कई बड़े मैचों से कुछ घंटे पहले जमकर शराब पी थी। इसके बावजूद मैदान पर उनके प्रदर्शन में कमी नहीं आई। इंग्लैंड के आक्रामक ऑलराउंडर एंड्रयू फ्लिंटॉफ को पब और पार्टियों का बेहद शौक था। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उनका एक यादगार टेस्ट शतक तब आया, जब वे पूरी तरह से हैंगओवर में थे। ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर एंड्रयू साइमंड्स भी इसी प्रकार के खिलाड़ी थे। कई बार मैच की सुबह साइमंड्स गंभीर हैंगओवर में पाए गए, लेकिन उनकी अद्भुत फील्डिंग और ताबड़तोड़ बल्लेबाजी टीम को कठिन हालातों से बाहर निकाल लाती थी।

पूर्व सहायक कोच अभिषेक नायर ने बताया विराट की सफलता का राज

मुंबई ● एजेंसी

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सहायक कोच अभिषेक नायर ने कहा है अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली को अपने कौशल और खेलने के तरीकों पर पूरा भरोसा रहता है और इसी कारण वह इतने सफल है। नायर के अनुसार जब विराट खराब दौर से गुजरते हैं तब भी वह अपनी तकनीक पर भरोसा बनाये रखते हैं और किसी प्रकार के बदलाव के बारे में नहीं सोचते। यही उनके महान होने का करण है। नायर ने कहा कि अपने तरीकों पर अटूट भरोसा ही उनकी लगातार सफलता का मूल कारण है। नायर ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया के दौरे में जब विराट रन नहीं बना पा रहे थे तब भी अपने खेलने के तरीके पर बने हुए थे। नायर का मानना है कि यही अंतर दिग्गज और आम खिलाडिय़ों के काम करने के तरीके में होता है। कोहली की मानसिक दृढ़ता और उनके अटूट विश्वास पर प्रकाश डालते हुए, नायर ने कहा कि वह विराट को लंबे समय से जानते हैं, लेकिन हाल ही में उन्हें समझ आया कि कोहली की महानता का रहस्य उनका दृढ़ भरोसा है, जो किसी भी परिस्थिति में नहीं बदलता। नायर ने एक घटना का जिक्र किया जब ऑस्ट्रेलिया में एकदिवसीय श्रृंखला के दौरान कोहली संघर्ष कर रहे थे और दो बार शून्य पर आउट हुए थे। उस समय उन्होंने कोहली से संपर्क किया था यह जानने के लिए कि वह इस खराब दौर का सामना कैसे कर रहे हैं। तब कोहली ने काफी शांत तरीके से उनका जवाब दिया था। नायर ने बताया, मैंने उनसे पूछा कि क्या सब ठीक है और क्या वह किसी बात पर चर्चा करना चाहेंगे। उन्होंने बस इतना कहा, नहीं, सब ठीक है। यह खेल का हिस्सा है। उनका आत्मविश्वास जरा भी कम नहीं हुआ था। नायर ने कहा कि उन्होंने कोहली से एक तकनीकी अवलोकन साझा करने की अनुमति मांगी। पर उन्होंने मना कर दिया क्योंकि उन्हें अपने पर पूरा भरोसा था।

बॉटम

मुकाबले को लेकर तनाव में आयोजक

भारत के एमएमए फाइटर संग्राम सिंह रविवार को पाकिस्तान के आबिद से भिड़ेंगे

कुआलालम्पुर ● एजेंसी

भारत के एमएमए फाइटर संग्राम सिंह रविवार को मलेशिया की राजधानी कुआलालम्पुर में होने वाले एक मुकाबले में पाकिस्तान के मोहम्मद आबिद अली से भिड़ेंगे। एशिया चैम्पियन एमएमए के तहत होने वाले इस खिताबी मुकाबले को लेकर जहां लोगों में काफी उत्साह है। वहीं मलेशियाई आयोजक समिति के अध्यक्ष इस्माइल मारजुकी बिन और सीईओ मोहम्मद हाकिम बिन लुकमान अब्दुल्ला की मुश्किलें बढ़ गयी हैं। इनका कहना है कि इस मुकाबले के आयोजन को लेकर वे तनाव में हैं। उनका मानना है कि यह मुकाबला उनके आयोजन को सफल भी बना सकता है और ये भी हो सकता है कि इससे उनकी मुश्किलें भी बढ़ सकती हैं। इसी को देखते हुए उन्होंने सख्त सुरक्षा इंतज़ाम किए गए हैं। कुआलालंपुर में होने वाले इस हाई-वोल्टेज आयोजन को लेकर एमएमए प्रेमियों में ज़बरदस्त उत्साह है। टिकटों की बिक्री भी तेज़ी से हो रही है, जिनकी कीमत 50 रिंगित (लगभग 1200 रुपए) से लेकर 1500 रिंगित (करीब 42 हजार रुपए) तक निर्धारित की गई है। आयोजक इस्माइल और मोहम्मद हाकिम टिकटों की बिक्री को लेकर बेहद रोमांचित हैं। यहां यह भी गौरतलब है कि मलेशिया की राजधानी कुआलालंपुर में तकरीबन 1 लाख 60 हज़ार भारतीय रहते हैं, जबकि पाकिस्तानियों की संख्या 20 हज़ार से भी कम है। आयोजकों को पूरी उम्मीद है कि इस फाइट के दौरान एमएमए प्रशंसकों के हाथों में चारों ओर तिरंगा लहराता दिखाई देगा, जो मुकाबले में एक अलग ही जोश भर देगा। पेशेवर कुश्ती में दोहरे हैवीवेट चैम्पियन रह चुके संग्राम सिंह मानसिक रूप से बेहद मज़बूत दिखाई दे रहे हैं। पाकिस्तान के खिलाफ उनका रिकॉर्ड भी शानदार रहा है। उनकी पहली एमएमए फाइट भी पाकिस्तानी फाइटर अली रज़ा नासिर के खिलाफ थी, जिसे उन्होंने गामा इंटरनैशनल फाइटिंग चैम्पियनशिप के अंतर्गत महज़ 90 सेकंड में जीत लिया था। इससे पहले, फरवरी 2024 में दुबई में हुई एक रेसलिंग बाउट में भी उन्होंने पाकिस्तान के ही मोहम्मद सईद को 18 मिनट चले मुकाबले में हराया था। यह संग्राम सिंह की चौथी एमएमए फाइट है। अपनी पिछली फाइट में उन्होंने ब्यूनस आयर्स में फ्रांस के फाइटर फ्लोरियन काउडियर को महज 1 मिनट 45 सेकंड में हराकर जीत की हैट्रिक पूरी की थी।

न्यूज ब्रीफ

बुलेट ट्रेन परियोजना में देरी : जापानी पूर्व मंत्री ने भारत पर उठाए सवाल

टोक्यो। जापान के पूर्व मंत्री हिदेकी माकिहारा ने भारत-जापान बुलेट ट्रेन परियोजना में हो रही देरी के लिए भारतीय पक्ष को जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने पोस्ट के माध्यम से यह गंभीर आरोप लगाए हैं, जिसमें कहा गया है कि परियोजना के लेट होने की सबसे बड़ी वजह भारत का बार-बार अपने वादों से मुकरना और फैसलों को अंतिम समय पर बदलना रहा है। माकिहारा, जो खुद इस महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट से जुड़े रहे हैं, ने दावा किया कि भारतीय पक्ष ने कई बार किए गए समझौतों और वादों को पूरा नहीं किया। उनके मुताबिक, भारत समझौते करने के बाद उनसे पीछे हट गया और बार-बार अपने हिसाब से शर्तों में बदलाव करता रहा, जिससे प्रोजेक्ट में अनावश्यक विलंब हुआ। उन्होंने बताया कि जापानी टीम ने पूरी लगन और मेहनत से काम किया, लेकिन अपेक्षित परिणाम नहीं मिल सके। पूर्व मंत्री ने अपनी पोस्ट में रिपोर्ट का हवाला दिया, जिसमें यह दावा किया गया है कि बुलेट ट्रेन के सबसे अहम सेफ्टी सिस्टम, यानी सिग्नलिंग सिस्टम, में जापान को शामिल नहीं किया गया है।

सोनम वांगचुक के समर्थन में उतरीं हस्तियां, सोनाक्षी ने कहा : अब चुप रहना संभव नहीं

मुंबई। अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा ने सोनम वांगचुक के अनशन के समर्थन में अपनी आवाज बुलंद की है, जिसमें उन्होंने कहा कि उनके लिए अब चुप रहना संभव नहीं है। वीडियो साझा कर सोनाक्षी ने बताया कि वांगचुक देश के लिए अपने कार्यों और उपलब्धियों के लिए जाने जाते हैं, और वे उन छात्रों के भविष्य के लिए अनशन कर रहे हैं जिन्हें वे संकट में मानते हैं। उन्होंने इस लड़ाई को एक इसतरह के सिस्टम के खिलाफ बताया, जिसके कामकाज पर सवाल उठ रहे हैं। अभिनेत्री सोनाक्षी ने कहा कि देश के युवा अपनी आवाज उठा रहे हैं, लेकिन इस मुद्दे पर कोई सार्थक संवाद शुरू नहीं हो रहा। उन्होंने खुद को देश की युवा बताकर कहा कि वे भी देश का भला चाहती हैं और इसीलिए उन्होंने सार्वजनिक रुप से अपनी बात रखने का फैसला किया। इस बीच, अभिनेत्री फातिमा सना शेख ने भी अपनी चिंता व्यक्त की। उन्होंने लिखा कि 19 दिन बीत चुके हैं और किसी की बात सुनने के लिए इतना इंतजार नहीं होना चाहिए। फातिमा ने कहा कि सोनम वांगचुक जैसे व्यक्ति को, जिन्होंने देश के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

गुजरात एटीएस जैश-ए-मोहम्मद से कथित तौर पर जुड़े संदिग्धों को किया गिरफ्तार

अहमदाबाद। गुजरात एटीएस ने राज्य कई जिलों में चलाए गए विशेष अभियान के दौरान प्रतिबंधित आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से कथित तौर पर जुड़े पांच संदिग्धों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ कर उनके संपर्कों, गतिविधियों और संभावित नेटवर्क की गहन जांच की जा रही है।
एटीएस के मुताबिक गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान बिलाल आबिद शेरा, मोहम्मद अयूब काडीवाल उर्फ मोहम्मद खडि ासन, मोहम्मद शफी मुखी उर्फ शफी चापी, मोहम्मद हसन कराडिया उर्फ हसन हैदरपुरी तथा मोहम्मद अयूब सुमासरा उर्फ मोहम्मद खली के रुप में हुई है। शुरुआती जांच में इन सभी पर प्रतिबंधित आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े होने का शक जताया गया है। एटीएस अधिकारियों ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों से गहन पूछताछ की जा रही है। साथ ही उनके मोबाइल फोन, डिजिटल उपकरणों और अन्य दस्तावेजों की फोरेंसिक जांच भी कराई जाएगी, ताकि किसी संभावित आतंकी मॉड्यूल, फंडिंग नेटवर्क या अन्य सहयोगियों के बारे में जानकारी जुटाई जा सके। सुरक्षा एजेंसियों ने राज्य के कई हिस्सों में निगरानी बढ़ा दी है और इस मामले में अन्य संदिग्धों की तलाश जारी है। अधिकारियों का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद मामले से जुड़े अन्य तथ्यों का भी खुलासा किया जाएगा।

इंजीनियर, आईएएस फिर केंद्रीय मंत्री बने

अश्विनी वैष्णव का प्रेरक रहा कॅरियर का सफर

नई दिल्ली ● एजेंसी

केंद्रीय रेलवे, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी तथा सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव का जीवन पथ प्रशासनिक दक्षता, तकनीकी कौशल और आधुनिक दृष्टिकोण का एक अनूठा संगम रहा है। 18 जुलाई 1970 को राजस्थान के जोधपुर में जन्मे वैष्णव ने भारत को तकनीकी रूप से आत्मनिर्भर, डिजिटल रूप से सशक्त और आधुनिक परिवहन व्यवस्था से लैस बनाने के लक्ष्य के साथ अपनी यात्रा तय की है। उनकी यात्रा एक इंजीनियर से शुरू होकर देश के शीर्ष प्रशासनिक पदों और फिर केंद्रीय मंत्रिमंडल तक पहुंची है, जो उनकी बहुमुखी प्रतिभा और दूरदर्शिता का प्रमाण है।

अश्विनी वैष्णव ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा जोधपुर में पूरी की और 1989 में एमबीएम इंजीनियरिंग कॉलेज से इलेक्ट्रॉनिक और संचार इंजीनियरिंग में डिग्री हासिल की। इसके बाद उन्होंने आईआईटी कानपुर से एम.टेक की उपाधि प्राप्त की। शिक्षा के क्षेत्र में अपनी गहरी जड़ें जमाने के बाद, उन्होंने 1994 में प्रतिष्ठित भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) परीक्षा उत्तीर्ण की, जिसमें उन्होंने 27वीं रैंक हासिल की। ओडिशा कैडर में शामिल होकर, उन्होंने बालासोर और कटक जिलों के कलेक्टर के रूप में अपनी प्रशासनिक क्षमताओं का प्रदर्शन किया। उनके करियर का एक महत्वपूर्ण पड़ाव तब आया जब उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के कार्यालय में उप सचिव के रूप में कार्य किया, और बाद में उनके निजी सचिव बने। इस दौरान उन्होंने बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में सार्वजनिक-निजी-भागीदारी (पीपीपी) ढांचे के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया। 2006 में वे मोरमुगाओ पोर्ट ट्रस्ट के उपाध्यक्ष बने। 2008 में, वैष्णव ने उच्च शिक्षा के लिए अमेरिका का रुख किया और पेन्सिलवेनिया विश्वविद्यालय के व्हार्टन स्कूल से एमबीए की डिग्री प्राप्त की। 2010 में, उन्होंने सिविल सेवा छोड़कर निजी क्षेत्र में प्रवेश किया, जहां उन्होंने जीई ट्रांसपोर्टेशन में प्रबंध निदेशक और सीमेंस में वाइस प्रेसिडेंट जैसे महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया। 2012 में, उन्होंने कॉर्पोरेट क्षेत्र को छोड़कर गुजरात में अपनी स्वयं की कंपनियां, थ्रीटी ऑटो लॉजिस्टिक्स प्राइवेट लिमिटेड और वीजी ऑटो कम्पोनेंट्स प्राइवेट लिमिटेड की स्थापना की। भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने के बाद, 2019 में वे ओडिशा से राज्यसभा सदस्य चुने गए। 2021 में उन्हें केंद्रीय मंत्रिमंडल में शामिल किया गया और उन्हें रेलवे, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी तथा सूचना एवं प्रसारण जैसे महत्वपूर्ण मंत्रालयों की जिम्मेदारी सौंपी गई। उनके कार्यकाल में भारतीय रेलवे के आधुनिकीकरण पर विशेष जोर दिया गया, जिसमें स्टेशनों का पुनर्विकास, ट्रेनों में आधुनिक सुविधाओं का विस्तार और सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करना शामिल है। वंदे भारत ट्रेनों का विस्तार और रेल अवसंरचना का विकास उनकी प्रमुख उपलब्धियों में से हैं। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय में उन्होंने सेमीकंडक्टर निर्माण, डिजिटल सेवाओं के विस्तार और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) जैसी उभरती तकनीकों को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिसका उद्देश्य भारत को वैश्विक तकनीकी केंद्र के रूप में स्थापित करना है।

ईरान पर अमेरिकी हमले : भारत के चाबहार पोर्ट पर निशाना

तेहरान ● एजेंसी

अमेरिका और ईरान के बीच सैन्य टकराव चरम पर है। अमेरिकी सेना ने गुरुवार को लगातार छठी रात ईरान पर नए हवाई हमले किए, जिसमें भारत के निवेश से बने चाबहार बंदरगाह के मैरिटाइम कंट्रोल टावर को निशाना बनाया गया। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सैटकॉम) ने बताया कि लड़ाकू विमानों, ड्रोन और युद्धपोतों से ईरान के कई सैन्य ठिकानों पर हमला किया। ईरानी मीडिया के अनुसार, चाबहार पोर्ट पर यह टावर पिछले एक हफ्ते में तीसरी बार निशाना बना है। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने इस टावर की क्षतिग्रस्त तस्वीर भी साझा की।

इन हमलों के दौरान दक्षिणी ईरानी बंदरगाह शहर बंदर अब्बास को भी निशाना बनाया गया, जिससे शहर के कई हिस्सों में बिजली गुल हुई और एक संचार टावर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हुआ। अमेरिकी हमलों की चपेट में बंदर अब्बास का आवासीय इलाका भी आया, जिसमें करीब सात लोग घायल हुए हैं। स्थानीय अस्पतालों में घायल नागरिकों को आपातकालीन चिकित्सा सहायता प्रदान की जा रही है। सैटकॉम के अनुसार, इस सैन्य अभियान का उद्देश्य ईरान

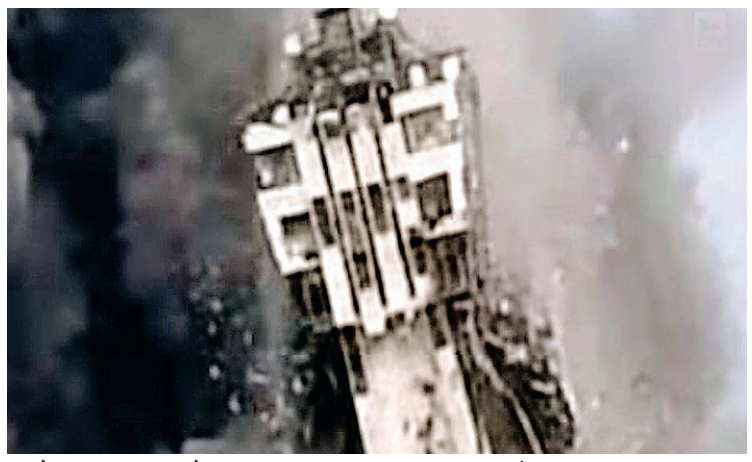

की सैन्य क्षमताओं को और कमजोर करना था। हमलों में तटीय निगरानी केंद्र, एयर डिफेंस सिस्टम, सैन्य लॉजिस्टिक्स और समुद्री सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया गया। हालाँकि, इस भीषण सैन्य टकराव के बीच व्हाइट हाउस ने एक बड़ा दावा कर कहा है कि दोनों देशों के बीच कूटनीतिक बातचीत के रास्ते खुले हैं। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने बताया कि ईरान लगातार अमेरिका से बातचीत कर रहा है और भारी सैन्य नुकसान झेलने के कारण समझौता करने को इच्छुक है। सैन्य टकराव के इस दौर में भी कूटनीतिक बातचीत जारी रहने के इस दावे ने वैश्विक विशेषज्ञों को चौंका दिया है। दूसरी ओर, ईरान ने अमेरिका को कड़ी चेतावनी दी है। ईरानी सांसद बेहनाम सईदी ने धमकी दी है कि अगर अमेरिका ने ईरान पर जमीनी हमला किया, तब अमेरिकी सैनिकों का कत्लेआम किया जाएगा। ईरान ने यमन के हूती विद्रोहियों से भी बाब अल-मंदेब स्ट्रेट को बंद करने के लिए तैयार रहने को कहा है, यदि अमेरिका उसके बिजली ढाँचे पर हमला करता है।

कांग्रेस ने सोनम वांगचुक के अनशन को समर्थन दिया

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने शुक्रवार को दिल्ली के जंतर-मंतर पर जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक से मुलाकात की और उनसे अपना अनिश्चितकालीन अनशन समाप्त करने की अपील की। वांगचुक नीट परीक्षा में कथित गड़बडिय़ों और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर भूख हड़ताल पर हैं। कांग्रेस ने वांगचुक के आंदोलन को अपना पूर्ण समर्थन दिया, लेकिन साथ ही उनके स्वास्थ्य को लेकर गहरी चिंता व्यक्त की। पार्टी के संगठन महासचिव के.सी. वेणुगोपाल ने वांगचुक से अनशन खत्म करने का आग्रह किया था। उन्होंने कहा कि वांगचुक जिन मुद्दों को लेकर चिंतित हैं, वे कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों के लिए बड़ी चिंता का विषय हैं। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने स्पष्ट किया कि पार्टी पिछले दो महीनों से लगातार केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग पर कायम है। उन्होंने बताया कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने 17 जून को कोटा में मांग को सबसे पहले उठाया था।

भारत की नजरज्पहले आर्मी चीफ, अब अमित शाह का बॉर्डर दौरा

नई दिल्ली ● एजेंसी

बांग्लादेश की शेख हसीना सरकार के सत्ता से हटने के बाद से भारत और बांग्लादेश के रिश्ते तनावपूर्ण हो गए हैं। मोहम्मद यूनुस के बाद प्रधानमंत्री तारिक रहमान का रवैया भारत के प्रति षड्यंत्रकारी बताया जा रहा है। उन्होंने परंपराओं को दरकिनार करते हुए अपनी पहली विदेश यात्रा के लिए चीन को चुना। बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन के बाद से ही ढाका के अधिकारी चीन को सीमावर्ती इलाकों में पैर जमाने के लिए जमीन मुहैया कराने में लगे हुए हैं। चाहे वह तीस्ता प्रोजेक्ट हो या लालमोनिरहाट एयरबेस को विकसित करने की योजना, हर जगह चीन को आमंत्रित किया जा रहा है। बांग्लादेश में स्थित लालमोनिरहाट, सिलीगुड़ी कॉरिडोर यानी 'चिकन नेक' के बेहद करीब है, और वहां चीन की मौजूदगी भारत के लिए सामरिक रूप से बेहद खतरनाक और चिंताजनक है। रिपोर्टों की मानें तो बीजिंग की ओर से यहां एक विशाल हैंगर बनाया गया है। दूसरी ओर, भारत पड़ोसी मुल्क बांग्लादेश में चीन की इन गतिविधियों पर पैनी नजर बनाए हुए है और संकरे 'चिकन नेक' की सुरक्षा को पुख्ता करने के लिए कई कदम उठाए जा चुके हैं।

इस इलाके की संवेदनशीलता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि भारतीय सेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ के तुरंत बाद गृहमंत्री अमित शाह 'चिकन नेक' यानी सिलीगुड़ी की यात्रा पर जा रहे हैं। वहां वे सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेने के साथ ही बीएसएफ के जवानों से भी बातचीत करेंगे। दरअसल, बांग्लादेश अपनी सीमा से लगते इलाकों में विकास के नाम पर चीन को पैर जमाने के लिए जमीन उपलब्ध करा रहा है। चीन की लंबे समय से सिलीगुड़ी कॉरिडोर यानी 'चिकन नेक' पर बुरी नजर रही है, ऐसे में बीजिंग का सीमा के करीब आना खतरे की घंटी से कम नहीं है। भारत इस बात को अच्छी तरह से समझता है, यही वजह है कि 'चिकन नेक' और बांग्लादेश सीमा से लगते इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था को लगातार मजबूत किया जा रहा है। सेना प्रमुख ने हाल ही में पश्चिम बंगाल स्थित बेंगडुबी सैन्य स्टेशन का दौरा कर पूर्वी कमान की ऑपरेशनल तैयारियों और क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की।

कोरोना की वापसी की आशंका : 4 मौतें और 12 नए केस से हडक़ंप

नई दिल्ली ● एजेंसी

देश में कोविड-19 के कुछ नए मामलों और मौतों ने एक बार फिर चिंता बढ़ा दी है, जिससे बीमारी की वापसी का खतरा मंडराने लगा है। आंध्र प्रदेश में 26 जून से 16 जुलाई के बीच 12 लोग कोविड-19 से संक्रमित पाए गए, जिनमें से चार मरीजों की पहले से मौजूद गंभीर बीमारियों और कोरोना संक्रमण की चपेट में आने के कारण मौत हो गई। इन मौतों का अनुपात लगभग 30 प्रतिशत रहा, जिसने लोगों को विशेष रूप से भयभीत कर दिया है। मरने वाले मरीजों को हाइपरटेंशन, डायबिटीज और किडनी संबंधी गंभीर समस्याएं थीं। शेष संक्रमितों में से तीन होम आइसोलेशन में हैं, दो अस्पतालों में इलाज करा रहे हैं, जबकि तीन ठीक होकर घर जा चुके हैं। जुलाई के पहले पखवाड़े में देशभर में कुल 339 नए कोविड मामले दर्ज किए गए हैं, जो सतर्कता की आवश्यकता को दर्शाते हैं। हालांकि, संक्रामक रोग विशेषज्ञों का कहना है

कि फिलहाल देश में कोरोना की कोई नई लहर नहीं है और न ही कोई खतरनाक वेरिएंट सामने आया है। आंध्र प्रदेश के मामले स्थानीय क्लस्टर प्रतीत होते हैं, न कि देशव्यापी फैलाव। जानकार बताते हैं कि एक बड़ी आबादी में अब हाइब्रिड इम्यूनिटी मौजूद है, जो गंभीर बीमारी से बचाती है। इन्फ्लूएंजा और कोविड के लक्षण मिलते-जुलते हैं, इसलिए जांच महत्वपूर्ण है। उन्होंने विशेष रूप से बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं और पुरानी बीमारियों से ग्रसित लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी। यदि बुखार 3-5 दिन से अधिक रहे, सांस लेने में तकलीफ हो, सीने में दर्द हो या भ्रम बढ़े, तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए। मास्क के उपयोग पर विशेषज्ञों का कहना है कि हर किसी को मास्क लगाने की जरूरत नहीं है, लेकिन यदि किसी को बुखार, खांसी, गले में खराश या नाक बह रही है, तो दूसरों में संक्रमण फैलने से रोकने के लिए मास्क जरूर पहनें। अस्पताल जाते समय या भीड़भाड़ वाली बसों, ट्रेनों और फ्लाइट्स में भी मास्क का उपयोग करना उचित है। बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं और पुरानी बीमारियों वाले लोगों को भीड़ वाली बंद जगहों पर मास्क का इस्तेमाल करना चाहिए। कुछ जरूरी सावधानियों में भीड़भाड़ वाली जगहों पर मास्क पहनना, बाहर से आने के बाद हाथों को साबुन और पानी से धोना, खांसी या जुकाम होने पर मास्क और सैनिटाइजर का उपयोग करना शामिल है। यदि बच्चे बीमार हों, तो उन्हें स्कूल या खेलने न भेजें और घर पर उचित वेंटिलेशन की व्यवस्था बनाए रखें।

बॉटम यात्रियों में मचा हडक़ंप, गहन जांच के बाद धमकी निकली फर्जी, एफआईआर दर्ज

इंडिगो की फ्लाइट के टॉयलेट में मिला पर्चा लिखा था : डोन्ट गो, बम है, प्लीज

बेंगलुरु ● एजेंसी

बेंगलुरु के केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उस समय हडक़ंप मच गया, जब अहमदाबाद जाने वाली इंडिगो की एक फ्लाइट में बम होने की धमकी मिली। हालांकि गहन जांच के बाद यह धमकी फर्जी निकली। शुक्रवार को बेंगलुरु की केआईएएल हवाई अड्डा पुलिस ने अज्ञात शख्स के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस और विमानन अधिकारियों से मिली जानकारी के मुताबिक इंडिगो विमान को 16 जुलाई की रात 8 बजे बेंगलुरु से अहमदाबाद के लिए रवाना होना था। विमान के तय प्रस्थान से ठीक 25 मिनट पहले क्रू मेंबर्स के एक सदस्य को विमान के अगले हिस्से में स्थित टॉयलेट से एक पर्चा मिला। इस पर्चे पर हाथ से लिखा था, ''डोन्ट गो। बम है, प्लीज।'' मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पर्चा मिलने के बाद विमानन सुरक्षा से संबंधित मानक संचालन प्रक्रियाओं के तहत तत्काल कार्रवाई की गई और विमान की गहन तलाशी ली गई। हालांकि, जांच में कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। इंडिगो ने 'केआईएएल' हवाई अड्डा पुलिस थाने में दर्ज कराई गई शिकायत में कहा कि इस धमकी के कारण उड़ान संचालन बाधित हुआ और यात्रियों, चालक दल और एयरलाइन की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता पैदा हुई। एयरलाइन ने शिकायत में अनुरोध किया कि मामले की विस्तृत जांच कर धमकी देने वाले व्यक्ति की पहचान की जाए और उसके खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई की जाए। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि शिकायत के आधार पर पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। धमकी देने वाले व्यक्ति की पहचान करने और उसके मकसद का पता लगाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक- नितिन श्रीवास द्वारा पंकज प्रीटर्स एड पेकिंजिंग, ए-16, एल्फा पार्क, सांवेर रोड,एल्फा इंदौर (मध्यप्रदेश) से मुद्रित 1054-एल, यूनियन बैंक, स्कीम नं. 114 इंदौर से प्रकाशित।
संपादक- नितिन श्रीवास, आर.एन.आई. नम्बर - एमपीएचआईएन/20ए3002 (सभी विवादों का न्यायलय क्षेत्र इंदौर रहेगा)